CNEWS मिटी चीफ

मिटी चीफ

वर्ष-17, अंक-201 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत में चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 03 नवंबर 2026



न्यूज अपटेड

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में ED की कार्रवाई, श्रीनगर के कई इलाकों में छापेमारी



प्रवर्तन निदेशालय के श्रीनगर जोनल ऑफिस ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में कथित आतंकी फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बडी कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के ओवर ग्राउंड वर्कर से जुडे कम से कम चार अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है। सुरक्षा बलों की कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी संदिग्ध वित्तीय दस्तावेजों, डिजिटल उपकरणों और बैंक लेनदेन के रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं।जांच एजेंसी के मुताबिक, यह मामला प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कथित ओवर ग्राउंड वर्कर उमर आदिल डार और उसके साथियों से जुड़ा है। आरोप है कि डार इस संगठन के लिए के तौर पर काम करता था और इसकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। उस पर लश्कर के आतंकी नेटवर्क को जमीनी मदद मुहैया कराने, लॉजिस्टिक्स उपलब्ध कराने और नेटवर्क के लिए फंड जुटाने जैसे आरोप हैं।

आपस में टकराए दो हेलीकॉप्टर, भारतीय पर्यटक की मौत, सामने आया हादसे का वीडियो



काठमांडू। नेपाल के सोलुखुम्बु जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना राजधानी काठमांडू से करीब 250 किलोमीटर दूर फेरीचे के हेलीपैड पर हुई। दोनों हेलीकॉप्टर फिशटेल एयर और डायनेस्टी एयर के थे। हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।द काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक की पहचान वसंत कुमार बलरामरामाडु के रूप में हुई है। वह फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर में सवार थे। जिला पुलिस कार्यालय के इंस्पेक्टर मौसम तमांग ने बताया कि इसी हेलीकॉप्टर में सवार भारतीय मूल के न्यूजीलैंड नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल भी दुर्घटना में घायल हो गए।पुलिस के मुताबिक, घायल शैलेश कृष्ण पटेल को प्रभु एयर के हेलीकॉप्टर से काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, दोनों हेलीकॉप्टरों के पायलट भी हादसे में मामूली रूप से घायल हुए हैं। उन्हें भी आगे के इलाज के लिए काठमांडू ले जाया गया।

जमकर खरीदारी.. जीएसटी में 23 फीसदी की उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते दुनियाभर में बढ़ती महंगाई के बावजूद भारत में अक्टूबर माह में लोगों ने जमकर खरीदारी की, जिससे जीएसटी में सितंबर माह के मुकाबले अक्टूबर माह में 23 फीसदी की उछाल दर्ज की। देश में सबसे ज्यादा वाहन व इलेक्ट्रिक सामान खरीदे।

मैक्सिको के स्कूलों में मोबाइल पर लगा प्रतिबंध

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के स्कूलों में अब मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कल संसद में इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। यहां लगातार समय-समय पर इसकी मांग की जा रही थी। अब तक 20 देशों में बच्चों के मोबाइल पर प्रतिबंध लग चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर चंदा चोरी मामले की बंद की निगरानी, मजिस्ट्रेट को कार्रवाई करने का आदेश

नई दिल्ली. अयोध्या के राम मंदिर में भक्तों की ओर से दिए गए दान की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है. उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से मामले में चार्जशीट दाखिल किए जाने की जानकारी मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले से जुड़ी याचिकाएं मामले की स्वतंत्र जांच और एसआईटी जांच की मांग को अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि अब संबंधित मजिस्ट्रेट अदालत कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई करें. हालांकि, अदालत ने जनहित को देखते हुए याचिकाकर्ताओं को मजिस्ट्रेट के सामने चलने वाली आपराधिक कार्यवाही में सहायता करने की अनुमति दी है.



मजिस्ट्रेट की कर सकेंगे मदद याचिकाकर्तासुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि मामले की जांच पूरी होने के बाद चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है. इसके बाद अदालत ने मामले की निगरानी जारी रखने के बजाय याचिकाओं का निपटारा कर दिया. बेंच ने कहा कि यह केवल है, बल्कि इसमें जनहित का भी पहलू उसी तरह मजिस्ट्रेट की सहायता करने की किसी अपराध के पीड़ित को आपराधिक कार्यवाही में अदालत की सहायता करने का अधिकार देता है.

क्या है राम मंदिर दान चोरी का मामला?

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भक्तों की ओर से दिए जाने वाले दान और चढ़ावे की रकम में कथित चोरी और अनियमितताओं का मामला सामने आया था. इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं. याचिकाकर्ताओं ने मामले की एसआईटी से जांच कराने, स्वतंत्र जांच एजेंसी गठित करने और मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन की जांच कराने की मांग की थी.सुनवाई के दौरान जांच में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दान की नकदी को कथित तौर पर बिना अनुमति निकालने की 105 घटनाओं की जानकारी भी सुप्रीम कोर्ट को दी गई थी. जांच में आठ आरोपियों की भूमिका सामने आने की बात कही गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने पहले जांच की प्रगति पर निगरानी रखी थी और उत्तर प्रदेश सरकार की एसआईटी से रिपोर्ट मांगी थी.

दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर को जलेंगे ग्रीन पटाखे, 9 से फिर प्रतिबंध

नई दिल्ली. दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर पटाखे जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सीमित राहत दी है. शीर्ष अदालत ने निर्धारित शर्तों के साथ 7 और 8 नवंबर को केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है. इसके लिए समय भी तय किया गया है. लोग सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे जला सकेंगे. 9 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पहले से लागू पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी हो जाएगा.

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने 29 अक्टूबर को दिए आदेश में सीमित अवधि के लिए प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी है.



अदालत ने यह फैसला दीपावली पर लोगों की परंपराओं और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से लिया है.

अस्पतालों, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, शिक्षण संस्थानों और अधिसूचित शांत क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने की अनुमति नहीं होगी. इन स्थानों को नो-क्रैकर जोन घोषित किया जाएगा.

ऑनलाइन नहीं होगी पटाखों की बिक्री

अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रमाणित और संबंधित एजेंसियों से अनुमोदित ग्रीन पटाखों का ही निर्माण और बिक्री हो सकेगी. इनका निर्माण 2 से 6 नवंबर तक किया जाएगा. प्रत्येक पैकेट पर उत्पाद और बैच के अनुसार क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य होगा, जिससे निर्माता, पंजीकरण और परीक्षण प्रमाणपत्र की जानकारी मिल सके.पटाखों की बिक्री 4 से 6 नवंबर तक केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों पर होगी. ऑनलाइन बिक्री निर्माताओं और कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ उनके लाइसेंस भी रद्द किए जा सकेंगे.

चक्रवात मुरासु का आंध्र प्रदेश के तट पर पहुंचने का अनुमान,

120 KMPH की रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं

चेन्नई. बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ रहा है. भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के 2 नवंबर की देर रात से 3 नवंबर की सुबह के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है. इस दौरान 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ स्थानों पर इनकी गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है. तूफान के प्रभाव से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और तेलंगाना सहित पांच राज्यों में भारी बारिश और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है.



मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात मुरासु पिछले छह घंटों में करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है. रविवार सुबह 2:30 बजे यह चेन्नई से लगभग 260 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर से करीब 290 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था.

अनुमान है कि तूफान नेल्लोर और नरसापुर के बीच ओंगोल के आसपास तट से टकरा सकता है. इसके लिए 2 नवंबर की रात 11:30 बजे से 3 नवंबर की सुबह 4 बजे तक का समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इस दौरान समुद्र में ऊंची लहरें उठने और तटीय क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने की आशंका है.

मुख्यमंत्री नायडू ने रद्द किया दिल्ली दौरा

चक्रवात के खतरे को देखते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. उन्होंने संभावित बारिश, तेज हवाओं और जलाशयों की स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रभावित जिलों में पहले से राहत एवं बचाव के इंतजाम करने के निर्देश दिए. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सोमवार का प्रस्तावित दिल्ली दौरा भी रद्द कर दिया है. मौसम विभाग ने 2 नवंबर को दक्षिण और मध्य तटीय आंध्र प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी दी है. कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है. 3 और 4 नवंबर को भी कई जिलों में भारी एलुरु जिले के नौ, कृष्णा के पांच और एनटीआर जिले के पांच मंडलों में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका जताई गई है.



निर्माणाधीन खाटू श्याम मंदिर का लिंटर गिरने से मची चीख-पुकार, मलबे में कई लोगों के दबने की आशंका

आजमगढ़. यूपी के आजमगढ़ जिले में निर्माणाधीन खाटू श्याम मंदिर की लिंटर गिरने से हड़कंप मच गया. कंधारपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवखरी भवर नाथ मंदिर के पास नवनिर्मित खाटू श्याम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था. इसी दौरान मंदिर के ऊपर लिंटर की ढलाई (छत का काम) का कार्य किया जा रहा था कि अचानक भारी वजन और तकनीकी खामी के चलते लिंटर अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा. इस भयानक हादसे से निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और वहां चीख-पुकार शुरू हो गई.

हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और राहत कार्य में जुट गए. शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस दुर्घटना में कई मजदूरों और अन्य लोगों के मलबे के नीचे दबे होने की आशंका जताई जा रही है. गश्त कर रही स्थानीय पुलिस और प्रशासन को जैसे ही इसकी सूचना मिली, हड़कंप मच गया. मलबे से निकाले गए लोगों में से कम से कम दो लोगों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है.घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर दमकल विभाग की कई गाडि?ां और राहत दल तुरंत रवाना किए गए. फिलहाल प्रशासन की देखरेख में युद्धस्तर पर बचाव कार्य चलाया जा रहा है, और मलबे को हटाने के लिए आवश्यक उपकरणों की मदद ली जा रही है ताकि अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके. इस दुर्घटना के बाद से इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.प्रसिद्ध खाटूश्याम जी का मंदिर राजस्थान के सीकर जिले के खाटू नामक कस्बे में स्थित है. यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार माने जाने वाले बर्बरीक (खाटूश्यामजी) को समर्पित है और देश भर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का एक प्रमुख केंद्र है. अपनी अपार महिमा और चमत्कारों के लिए यह मंदिर देश-विदेश में बेहद प्रसिद्ध है, जहां हर साल फाल्गुन मास के लक्खी मेले में देश के कोने-कोने से लाखों-करोड़ों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं.

भोपाल में दिल दहला देने वाली वारदात

मां, पत्नी और दो बच्चों की हत्या के बाद ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल. राजधानी भोपाल में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से सनसनी फैल गई. छोला मंदिर थाना क्षेत्र में 35 वर्षीय नरेंद्र साहू ने कथित तौर पर अपनी मां, पत्नी और दो मासूम बच्चों की गला काटकर हत्या कर दी. इसके बाद उसने सुखिया सेवनिया थाना क्षेत्र में चलती ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली. सोमवार को पुलिस की शुरुआती जांच में इस सामूहिक हत्याकांड का खुलासा हुआ.

घटना गौर मैरिज गार्डन के पास स्थित एक बहुमंजिला आवासीय इमारत की है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव मिले. मृतकों की पहचान नरेंद्र साहू की मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और बेटे खुश साहू (6) के रूप में हुई है. चारों के गले पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं.



शुरुआत में पुलिस इस घटना को सामूहिक आत्महत्या से जोड़कर देख रही थी, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर मामला परिवार के सदस्यों की हत्या का निकला. उधर, सुखिया सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां इलाके में रेलवे ट्रैक पर नरेंद्र साहू का शव बरामद हुआ. पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है.सूचना मिलने पर पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की. चारों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं. पुलिस नरेंद्र की मौत की परिस्थितियों का भी पता लगा रही है.

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नरेंद्र साहू ने इतना खौफनाक कदम क्यों उठाया. पुलिस पारिवारिक विवाद, आर्थिक परेशानी और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल कर रही है. जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी सामने आ सकेगी.

अमिताभ की बुलेटप्रूफ सुरक्षा पर कांग्रेस का तंज

'नमो बॉलीवुड जीवन सुरक्षा योजना' की मांग से मचा सियासी घमासान

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की लोकप्रियता आज भी करोड़ों प्रशंसकों को उनके घर तक खींच लाती है, लेकिन इस बार उनके रविवार दर्शन का अंदाज चर्चा का विषय बन गया। मुंबई स्थित जलसा के बाहर बुलेटप्रूफ सुरक्षा कवच के पीछे से प्रशंसकों का अभिवादन करने की तस्वीर ने राजनीतिक बहस को भी हवा दे दी है। कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने इसी घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और फिल्मी संवादों के जरिए सियासी कटाक्ष किया।

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन इन दिनों अपनी फिल्मों या अभिनय के बजाय सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में हैं। मुंबई स्थित उनके बंगले जलसा के बाहर प्रशंसकों से मुलाकात के दौरान बुलेटप्रूफ सुरक्षा कवच का इस्तेमाल चर्चा का विषय बना। इसी घटनाक्रम पर महाराष्ट्र कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए ऐसा व्यंग्य किया, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है।

सावंत ने सोशल मीडिया ङ्क पर अमिताभ बच्चन की सुरक्षा को लेकर कटाक्ष करते हुए केंद्र सरकार से एक काल्पनिक योजना शुरू करने की मांग की। उन्होंने इसे %नमो बॉलीवुड जीवन सुरक्षा योजना% नाम दिया और सुझाव दिया कि बॉलीवुड कलाकारों को फिल्म %दीवार% में दिखाए गए 786 नंबर वाले बैज की तरह सुरक्षा पहचान चिह्न दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता का यह बयान सीधे तौर पर अमिताभ बच्चन की फिल्मी छवि और मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था के बीच तुलना करता है। सावंत ने फिल्म %दीवार% के उस दौर का उल्लेख किया, जब अमिताभ बच्चन को पर्दे पर अन्याय के खिलाफ खड़े होने वाले एंग्री यंग मैन के रूप में पहचाना जाता था। उनके मुताबिक, आज उसी अभिनेता को सुरक्षा कवच के पीछे देखकर कई सवाल उठते हैं।



सचिन सावंत ने अपने बयान में अमिताभ बच्चन के पुराने सोशल मीडिया पोस्ट का भी हवाला दिया। उन्होंने याद दिलाया कि अभिनेता पहले पेट्रोल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरती कीमत पर ट्वीट किया करते थे।

कांग्रेस नेता ने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब अमिताभ बच्चन को देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी अपनी राय रखनी चाहिए। उन्होंने तंज कसा कि अभिनेता को अब यह संदेश देना चाहिए कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश सुरक्षित है।

हालांकि, यह टिप्पणी अमिताभ बच्चन की ओर से किसी राजनीतिक प्रतिक्रिया का प्रमाण नहीं है। सावंत ने अपने बयान के जरिए अभिनेता की पुरानी सार्वजनिक टिप्पणियों और वर्तमान सुरक्षा परिस्थिति के बीच एक राजनीतिक तुलना पेश की है।

सावंत ने अपने कटाक्ष को और धार देने के लिए अमिताभ बच्चन की एक अन्य चर्चित फिल्म शोले का सहारा लिया। उन्होंने गब्बर सिंह के किरदार का उल्लेख करते हुए बीजेपी पर हमला बोला।

कांग्रेस नेता का आरोप था कि जिस तरह फिल्म में गब्बर के आतंक से बचाने वाले का संदर्भ उसी गब्बर से जुड़ता है, उसी तरह बीजेपी के कथित डर से बचाने के लिए भी बीजेपी को ही समाधान के रूप में पेश किया जा रहा है।उन्होंने इस बयान के जरिए केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी पर राजनीतिक विरोधियों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर निशाना साधा। यह पूरा बयान व्यंग्यात्मक राजनीतिक टिप्पणी है, न कि किसी सुरक्षा एजेंसी की आधिकारिक रिपोर्ट।

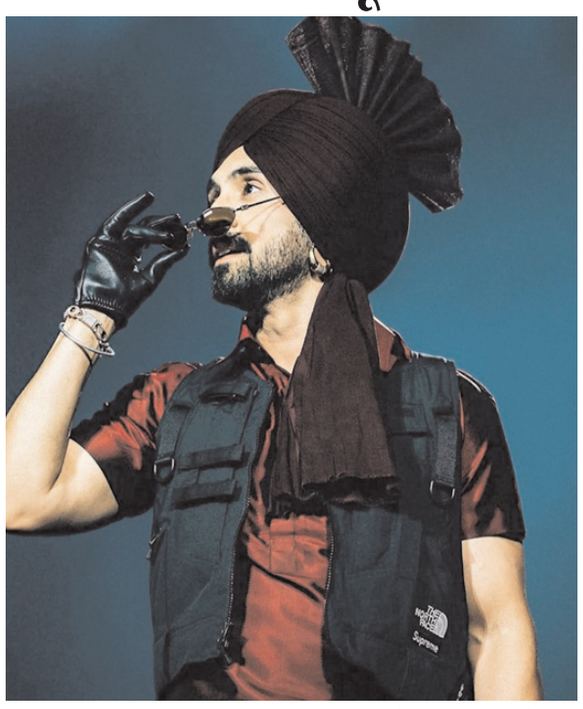


राहुल गांधी ने निभाया वादा, बड़वानी की प्रियंका का दिल्ली में कराया आंखों का इलाज

इंदौर, इंदौर में 19 सितंबर को आयोजित %छात्रों की गूंज% कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़वानी की छात्रा प्रियंका सेंगर को आंखों का इलाज कराने का भरोसा दिया था। अब राहुल ने अपना वादा पूरा कर दिया है। दिल्ली में उपचार कराने के बाद प्रियंका फ्लाइट से इंदौर लौट आई है। इलाज के बाद उसकी आंखों की रोशनी में पहले की तुलना में सुधार हुआ है। कार्यक्रम में राहुल ने प्रियंका से उसकी आंख की परेशानी के बारे में पूछा था। छात्रा ने आर्थिक तंगी के कारण इलाज नहीं करा पाने की अपनी मजबूरी बताई थी।प्रियंका ने बताया था कि महज तीन साल की उम्र में उसकी आंख में चूना चला गया था, जिससे एक आंख की रोशनी चली गई। एक ऑपरेशन होने के बावजूद आर्थिक अभाव में दूसरा ऑपरेशन नहीं हो पाया था। राहुल गांधी ने मंच से ही दिल्ली में उपचार कराने की घोषणा की थी। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रियंका के माता-पिता से फोन पर बात कर मदद का भरोसा दिलाया। पिछले महीने राहुल की टीम ने परिवार से संपर्क कर उपचार संबंधी जानकारी जुटाई और प्रियंका को दिल्ली बुलाया। गौरतलब है कि प्रियंका ने कार्यक्रम में हॉस्टल से जुड़ी समस्या भी राहुल के सामने रखी थी।

दिलजीत दोसांझ के इंदौर शो पर आतंकी धमकी, महापौर कार्यालय और तीन स्कूलों को भेजे गए ई-मेल

इंदौर, पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के 15 नवंबर को इंदौर में प्रस्तावित म्यूजिक शो से पहले सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता सामने आई है। एक धमकी भरे ई-मेल में कार्यक्रम के दौरान इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से विस्फोट करने की चेतावनी दी गई है। यह मेल इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यालय सहित कई अन्य लोगों को भेजा गया है। ई-मेल में मुंबई स्थित अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। संदेश कथित तौर पर खालिस्तानी नेशनल आर्मी के नाम से भेजा गया है।



धमकी में कुछ लोगों ने स्वयं को इंजीनियर गुरानाख सिंह, रुखन शाहवाला, डॉ. गुरनिरवेर सिंह और बब्बर खालसा (परमार-कनाडा) के प्रो. गुरकाल सिंह के रूप में परिचित कराया है। इस बीच इंदौर के तीन स्कूलों को भी सोमवार सुबह धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। इनमें अभिभावकों को चेतावनी दी गई है कि वे 15 नवंबर को सी-21 मैदान में होने वाले दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम में अपने बच्चों को नहीं भेजें, क्योंकि वहां बम विस्फोट किए जा सकते हैं। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि एहतियातन स्कूलों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं और ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है।

धमकियों के पीछे कथित तौर पर दिलजीत दोसांझ के अमिताभ बच्चन के प्रति सम्मान जताने को लेकर नाराजगी सामने आई है। अमेरिका स्थित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) से जुड़े गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य कार्यक्रमों के दौरान भी गायक को धमकी दी थी। संगठन का आरोप है कि दिलजीत ने अमिताभ बच्चन के पैर छूकर उनका सम्मान किया, जिससे 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों की भावनाएं आहत हुईं। इससे पहले 23 अक्टूबर को मुंबई की पूर्व महापौर रितु तावड़े के कार्यालय में भी दिलजीत पर आत्मघाती हमले की धमकी वाला ई-मेल भेजा गया था।



अग्रसेन विद्यालय में अभ्यास मंडल ने आयोजित की व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, विद्यार्थियों को दिया सकारात्मक सोच और जल संरक्षण का संदेश

इंदौर। अभ्यास मंडल इंदौर की ओर से अग्रसेन विद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें शिक्षाविद् डॉ. पल्लवी आढ़ाव और वक्ता संदीप खानवलकर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में व्यक्तित्व निर्माण, सकारात्मक विचार, दैनिक जीवन में अनुशासन और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। डॉ. पल्लवी आढ़ाव ने विद्यार्थियों को अपने दिन की शुरुआत सकारात्मक सोच के साथ करने और दैनिक गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि बेहतर आदतें और विचार व्यक्ति के व्यक्तित्व को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. आढ़ाव ने भोजन की आदतों, दैनिक कार्यों को समय पर पूरा करने और माता-पिता के प्रति सम्मान का भाव रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को माता-पिता के अनुभवों से सीखना चाहिए तथा अपनी कमजोरियों को ही अपनी ताकत बनाने का प्रयास करना चाहिए। जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना भी आवश्यक है।

इंदौर में पानी की बर्बादी पर निगम की सख्ती, कार धोने पर 10 हजार तक जुर्माना

अवैध कनेक्शन नियमित कराने का मौका

इंदौर। गर्मियों में संभावित जल संकट से निपटने और शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक में नई जल नीति को मंजूरी दे दी गई। इसके तहत नर्मदा और बोरिंग के पानी का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पानी से कार धोने या अन्य अनावश्यक गतिविधियों में इसका इस्तेमाल करने पर पहली बार दो हजार, दूसरी बार पांच हजार और तीसरी बार तथा प्रत्येक अगली बार दस हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा।

नगर निगम अब घरों में मोटर लगाकर पाइपलाइन से सीधे पानी खींचने वालों पर भी कार्रवाई करेगा। ऐसे मामलों में पहली बार पांच हजार और दोबारा उल्लंघन करने पर प्रत्येक बार दस हजार रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है। वहीं, अवैध जल कनेक्शनों को नियमित कराने के लिए 12 नवंबर से विशेष अभियान शुरू होगा, जो लगातार 21 दिनों तक चलेगा। इस अवधि में उपभोक्ताओं को अपने कनेक्शन वैध कराने का अवसर दिया जाएगा। अभियान समाप्त होने के बाद निगम बड़े स्तर पर जांच करेगा। इस दौरान अवैध कनेक्शन मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में विज्ञापन नीति, आवास और कर्मचारियों के नियमितीकरण से जुड़े प्रस्तावों को भी मंजूरी मिली।

इंदौर में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक शुरू, शताब्दी वर्ष के कार्यों की समीक्षा और पंच परिवर्तन पर मंथन



इंदौर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक सोमवार को इंदौर के डेली कॉलेज स्थित संत रविदास महाराज सभागार में शुरू हुई। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर बैठक का विधिवत शुभारंभ किया। पहले दिन छह सत्र आयोजित किए गए, जो रात आठ बजे तक चले। इनमें संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में हुए कार्यों की समीक्षा की गई। विभिन्न प्रांतों के संघचालकों, कार्यवाहों और प्रचारकों ने अपनी-अपनी गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक चार नवंबर की शाम तक चलेगी।

बैठक में पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख विषयों को समाज के बीच प्रभावी रूप से पहुंचाने पर विशेष चर्चा हुई। इनमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध अर्थात स्वदेशी जीवनशैली और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता शामिल हैं। संघ नेतृत्व ने इन विचारों को केवल वैचारिक स्तर तक सीमित न रखते हुए जमीनी स्तर पर लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही शताब्दी वर्ष में स्वयंसेवकों द्वारा किए गए शाखा विस्तार की समीक्षा की गई। शाखाओं के नियमित संचालन, संगठनात्मक मजबूती और अधिक से अधिक नए स्थानों पर शाखाएं शुरू करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

संघ की ओर से प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार देशभर में वर्तमान में एक लाख एक हजार 151 दैनिक शाखाएं संचालित हो रही हैं। शताब्दी वर्ष के दौरान 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं शुरू की गई हैं। इसके अलावा संघ का कार्य देशभर के एक लाख 10 हजार 849 स्थानों तक पहुंचा है और इस अवधि में 65 हजार 660 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार ने बताया कि बैठक में विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक आयोजित शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा की जा रही है। इनके आगामी क्रियान्वयन और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर भी विचार हो रहा है।

बैठक में युवाओं और महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के साथ ही संघ के सामाजिक कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की जा रही है। विभिन्न गतिविधियों के अनुभवों के आधार पर आगे की रणनीति और उनके नियमित अनुवर्तन को लेकर विचार रखे जा रहे हैं। बैठक के प्रारंभ में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पिछले कुछ महीनों में सांस्कृतिक और राष्ट्रीय हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इनमें फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर, गायिका आशा भोसले, संत पद्मश्री रमेश बाबा, विवेकानंद केंद्र के पूर्व अध्यक्ष बालकृष्ण और संघ के वरिष्ठ प्रचारक विनोद कुमार शामिल रहे। संगठन के दिवंगत कार्यकर्ताओं के योगदान का भी स्मरण किया गया।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें सीईओ

अपूर्ण आंगनबाड़ी भवनों पर सीईओ हिमांशु प्रजापति सख्त, उपयंत्री, सरपंच एवं सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश



राकेश चन्दन। सिटी चीफ

इंदौर,ग्रामीण विकास कार्यों में तेजी लाने एवं शासन की योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इंदौर श्री हिमांशु प्रजापति ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में विभिन्न योजनाओं एवं वित्तीय मदों के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से लंबे समय से अपूर्ण पड़े आंगनबाड़ी भवनों एवं 15वें वित्त आयोग, वीबी जी राम जी योजना के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति पर फोकस किया गया।

सीईओ ने निर्देश दिए कि स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक राशि समय पर जारी एवं हस्तांतरित की जाए, ताकि वित्तीय कारणों से कार्य प्रभावित न हों। निर्माण कार्यों की प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों को गति प्रदान की जाए।

आंगनबाड़ी भवनों की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की उपयंत्रीवार समीक्षा की गई। लंबे समय से अपूर्ण पड़े भवनों की स्थिति पर सीईओ श्री प्रजापति ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित उपयंत्रियों, सरपंचों एवं सचिवों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारी एवं मैदानी अमला अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें।

15वें वित्त आयोग के कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश

बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराएं। प्रत्येक कार्य की प्रगति पर सतत निगरानी रखें तथा निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

लापरवाही पर होगी जवाबदेही तय

सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण विकास से जुड़े सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यों में अनावश्यक देरी अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों की जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में श्री हिमांशु प्रजापति मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इंदौर द्वारा निर्देश दिए गए की जो स्वीकृत निर्माण कार्य स्थान अभाव के कारण या पूर्व में स्वीकृत होकर अन्य मदों से हो चुके हैं उन्हें सरेंडर करने की कार्रवाई की जाए ताकि अन्य ग्राम पंचायत में नवीन निर्माण कराया जा सके ।

बैठक में रहे उपस्थित

समीक्षा बैठक में कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, उपयंत्री, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एमएलबी कॉलेज में जेन-जी करियर संवाद कार्यशाला, छात्राओं को एआई और डिजिटल रोजगार के अवसरों की दी जानकारी



शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में त्दृ्ठ्ं करियर संवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव के संरक्षण और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को बदलते दौर में करियर के नए विकल्पों, तकनीकी विकास और रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना था। साथ ही उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीक के अनुरूप कौशल विकसित करने और भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार रखने की आवश्यकता बताई।

प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अलग प्रतिभा, क्षमता और अभिव्यक्ति होती है। इसलिए किसी की नकल करने के बजाय अपनी मौलिक पहचान बनाना जरूरी है। उन्होंने मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच छात्राओं को अपनी वास्तविक पहचान बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दूसरों से प्रभावित होने के बजाय अपनी क्षमताओं को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का प्रतीक बताते हुए उन्होंने छात्राओं से अपनी आंतरिक क्षमता को पहचानने और जीवन में स्वतंत्र पहचान स्थापित करने का आह्वान किया।कार्यशाला के मुख्य अतिथि जयंतीलाल भंडारी ने त्दृ्ठ्ं पीढ़ी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवाओं को इस श्रेणी में रखा जाता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्ब) के तेजी से बढ़ते प्रभाव को देखते हुए युवाओं को तकनीक से घबराने के बजाय उसका ज्ञान और व्यावहारिक कौशल हासिल करना चाहिए। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अनुमानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2030 तक दुनियाभर में करीब 19 करोड़ नए डिजिटल रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और डिजिटल तकनीक का विस्तार लगातार नए अवसर उपलब्ध करा रहा है।

विशाल भगत चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर 24 छात्राओं को कुल 2 लाख 28 हजार 890 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। मुख्य अतिथि प्रकाश भगत ने छात्राओं को निरंतर परिश्रम करने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। वहीं, लघु उद्योग भारती के साथ हुए एमओयू के तहत पोलो ग्राउंड इकाई के अध्यक्ष राजेन्द्र सुखेजा ने छात्राओं को प्रोत्साहन प्रमाण-पत्र और पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने उद्यमिता एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में संभावनाओं का लाभ उठाने की बात कही। आयोजन में प्रो. मनीषा जोशी, डॉ. सीमा तिवारी, प्रो. रितु माथुरिया, डॉ. निधि गुप्ता, डॉ. प्रियंका जैन और डॉ. साधना मंडलोई सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं। संचालन प्रो. निधि गुप्ता ने किया और आभार प्रो. सीमा तिवारी ने माना।

इंदौर में दीपावली आयोजन से गरमाई भाजपा की सियासत,

कैलाश विजयवर्गीय और आकाश को न्योता नहीं; विरोधी नेताओं का लगेगा जमावड़ा

इंदौर। दीपावली उपहार वितरण के एक कार्यक्रम ने शहर की भाजपा राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 में 4 नवंबर को आयोजित होने वाले इस समारोह में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और उनके बेटे आकाश विजयवर्गीय को आमंत्रित नहीं किया गया है। आयोजन पार्षद पति मनोज मिश्रा की ओर से किया जा रहा है, जिसमें विजयवर्गीय के राजनीतिक विरोधियों को प्रमुखता से जगह दी गई है। आमंत्रित नेताओं ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति भी दे दी है। ऐसे में इस आयोजन को क्षेत्रीय राजनीति में शक्ति प्रदर्शन और विजयवर्गीय विरोधी खेमे की एकजुटता के रूप में देखा जा रहा है।

महावीर बाग में होने वाले इस कार्यक्रम के तहत 2100 परिवारों को दीपावली उपहार दिए जाएंगे। प्रत्येक परिवार को 21 दीपक, आधा किलो तेल, मिठाई, पटाखे और वंदनवार वितरित किए जाएंगे। निमंत्रण पत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, विधायक मनोज पटेल, उषा ठाकुर और मालिनी गौड़ के चित्र शामिल किए गए हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन, कृष्णमुरारी मोघे, सुदर्शन गुप्ता, डॉ. उषा शर्मा और सावन सोनकर को भी आमंत्रित किया गया है। सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला और नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा को भी निमंत्रण भेजा गया है।



इस राजनीतिक खींचतान की शुरुआत विधानसभा चुनाव के बाद अच्छे संबंधों के बावजूद कैलाश विजयवर्गीय और मनोज मिश्रा के बीच बढ़ी दूरी से मानी जा रही है। बताया जाता है कि विजयवर्गीय कुछ समय पहले मिश्रा के वार्ड स्थित कंडिलपुरा में लाला यादव के घर %मन की बात% कार्यक्रम सुनने पहुंचे थे, लेकिन इस दौरान मिश्रा को आमंत्रित नहीं किया गया। इससे उनकी नाराजगी बढ़ गई। इससे मिश्रा अपनी आपत्ति जता चुके थे। अब उन्होंने अपने कार्यालय के होर्डिंग में भी मंत्री विजयवर्गीय की तस्वीर का आकार छोटा कर दिया है।

पांच साल में लखपती से करोड़पति बनी हरदीप पुरी की पत्नी

पांच साल में पत्नी की सालाना आय 15.39 लाख से बढ़कर 1.69 करोड़ रुपए हुई

हरदीप पुरी ने एमपी से भरा राज्यसभा का पर्चा

भोपाल, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे। नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में पुरी और उनकी पत्नी की संपत्ति तथा आय का पत्नी के नाम 10.66 करोड़ 2,90,658 अमेरिकी डॉलर और 9 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति के अलावा 30 लाख स्विस फ्रैंक का उल्लेख है।

हलफनामे के मुताबिक, पिछले पांच साल में पुरी की पत्नी की सालाना आय 15.39 लाख रुपए से बढ़कर 1 करोड़ 69 लाख 77 हजार रुपए हो गई। वर्ष 2022-23 में यह आय 1.02 करोड़ रुपए थी, जो 2023-24 में 1.07 करोड़ और 2024-25 में 1.61 करोड़ रुपए दर्ज की गई। दूसरी ओर,



पुरी की सालाना आय पहले 63.26 लाख रुपए बताई गई थी। 2024-25 में यह 50.51 लाख रुपए रही। हलफनामे में पुरी ने 6.54 करोड़ रुपए की चल और करीब 20 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति घोषित की है। उनकी पत्नी के नाम 10.66 करोड़ रुपए की चल और 9 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति दर्ज है। पुरी ने अपनी आय के स्रोत में मंत्री पद का वेतन, पेंशन, दिल्ली की संपत्ति से किराया और बैंक जमा पर ब्याज बताया है।

कांग्रेस का विरोध कई नेता हिरासत में

नामांकन के दौरान विरोध की आशंका के चलते पुलिस सतर्क रही। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमित खत्री सहित संगठन के कई नेताओं को अलग-अलग थानों में हिरासत में रखा गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पुरी के मीडिया से दूरी बनाने पर सवाल उठाए और एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों का हवाला देते हुए जवाब मांगा। ये आरोप कांग्रेस की ओर से लगाए गए हैं।

12 नवंबर को मतदान

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि पुरी के अनुभव से मध्यप्रदेश को लाभ मिलेगा। राज्यसभा की यह सीट एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उपचुनाव के लिए 12 नवंबर को मतदान और मतगणना होगी। पुरी के अलावा हैदराबाद के कांते सायन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया है। 230 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा के मतदान में हिस्सा नहीं ले पाने से प्रभावी संख्या 229 रह गई है। सभी 229 मत वैध होने की स्थिति में एक सीट के लिए जीत का कोटा 115 होगा। बीना विधायक निर्मला सप्रे की मतदान स्थिति पर भी राजनीतिक दलों की नजर है।

हरदीप पुरी को चुनौती देंगे बैतूल के अतिथि शिक्षक

भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के राज्यसभा पहुंचने की राह में बैतूल के एक अतिथि शिक्षक भी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। आमला तहसील के सोमलापुर निवासी 55 वर्षीय हरिपाल बिहारे ने राज्यसभा उपचुनाव का नामांकन फॉर्म खरीद लिया है। हालांकि, चुनाव लड़ने के लिए उन्हें अभी 10 विधायकों के प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर जुटाने होंगे। इसके लिए वे भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के नेताओं से समर्थन मांग रहे हैं। हरिपाल का दावा है कि भाजपा और कांग्रेस के कुछ विधायकों ने उन्हें समर्थन देने का भरोसा दिया है। उनका यह भी कहना है कि भाजपा के 60 से 70 विधायक उनके पक्ष में मतदान कर सकते हैं।

दोनों दलों से मांगा समर्थन

हरिपाल भाजपा और कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय पहुंचकर विधायकों से समर्थन मांग चुके हैं। उनका कहना है कि अभी तक किसी ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। उन्होंने हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाए जाने पर भी सवाल उठाए, लेकिन अपने आरोपों के समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।

आरक्षण और छात्रवृत्ति की मांग पर सड़क पर उतरे ओबीसी छात्र



भोपाल। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों को लेकर सोमवार को भोपाल में जमकर हंगामा हुआ। ओबीसी महासभा के नेतृत्व में सैकड़ों विद्यार्थी और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले। पुलिस ने रेडक्रास अस्पताल के पास बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने के लिए बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारी सुबह सिंधु भवन पर एकत्र हुए थे। उनकी प्रमुख मांग मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करना और विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2025-26 के 14 लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करना था। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे को ज्ञापन सौंपा। जय मूवमेंट ओबीसी के संस्थापक लखपत गुर्जर ने कहा कि वर्ष 2007 से संचालित योजना के तहत सामान्यतः जून में आवेदन बुलाए जाते रहे हैं, लेकिन नवंबर शुरू होने के बावजूद वर्ष 2026-27 की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। इससे ग्रामीण और किसान परिवारों के विद्यार्थियों के सामने विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने का संकट खड़ा हो रहा है।

शोभित के खिलाफ ईडी ने न्यायालय में पेश की अभियोजन शिकायत

भोपाल, गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए दी जाने वाली सरकारी सहायता में 30.18 करोड़ रुपए के कथित घोटाले की जांच अब न्यायालय पहुंच गई है। विदिशा जिले की सिरोंज जनपद पंचायत में विवाह सहायता योजना के 5923 संदिग्ध प्रकरणों में सरकारी राशि बांटने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भोपाल की विशेष अदालत में अभियोजन शिकायत पेश की है। जांच में अपात्र लोगों के नाम पर फर्जी आवेदन तैयार कर सरकारी धन का भुगतान कराने और बाद में बैंक खातों से नकदी निकालने का मामला सामने आया है। शोभित त्रिपाठी व सहयोगी हेमंत साहू को आरोपी बनाते हुए इसमें ईडी ने कहा है कि योजना का अनुचित लाभ लेने के लिए अपात्र लोगों के नाम और पहचान संबंधी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आवेदन तैयार किए गए। इन लोगों की जानकारी के बिना उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाए गए और उनमें सरकारी सहायता की राशि जमा कराई गई। इसके बाद रकम कई किश्तों में नकद निकाल ली गई। जांच में यह भी सामने आया कि कोरोना महामारी के दौरान सार्वजनिक विवाह आयोजनों पर प्रतिबंध के बावजूद अपात्र लोगों को सहायता राशि दी गई। बता दें आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। शोभित त्रिपाठी को 2 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया था।

डेमो में आये रूझान से 2027 के स्थानीय चुनाव के इस्तेमाल पर हो सकता है विचार

रोबो आइरिस देगा निर्वाचन अधिकारियों को चुनावी प्रशिक्षण

एसआईआर पर निर्वाचन आयुक्त के सवाल का रोबोट ने दिया सटीक जबाव

भोपाल, मप्र स्थानीय निकाय चुनाव के प्रशिक्षण अब रोबो आइरिस से कराये जाएंगे। इसने राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव द्वारा एसआईआर को लेकर पूछे गये सवाल का सटीक जबाव दिया है। गुरूवार इसका डेमो आयोजित किया गया था। इसके बाद माना जा रहा है कि 2027 के स्थानीय चुनाव के इस्तेमाल पर विचार किया जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग आगामी वर्ष 2027 में प्रस्तावित स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों की तैयारियों के तहत निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनरों को रोबो आइरिस के माध्यम से प्रशिक्षण देने की संभावनाएं तलाश रहा है। इस कड़ी में गुरूवार अहम दिन रहा, जिसके बाद चुनावी प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीक के



उपयोग को लेकर निर्वाचन संस्था की दिलचस्पी बढ़ी है। कस्तूरबा नगर में क्रिप्स द्वारा आयोजित प्रदर्शन के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त ने आयोग के अधिकारियों और मास्टर ट्रेनरों की उपस्थिति में रोबोट की कार्यक्षमता को न केवल देखा बल्कि, प्रश्न पूछकर सवाल का सटीक और संतुष्ट जनक उत्तर सुनकर लोग आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रहे।

क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण की संभावना

इस तकनीक का एक संभावित लाभ यह है कि प्रशिक्षण को अधिक संवादात्मक और सरल बनाया जा सकता है। बुंदेली, बघेली और मालवी जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी उपलब्ध कराने की संभावना भी जताई जा रही है। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को नियमों और प्रक्रियाओं को समझने में सुविधा मिल सकती है।

पहले अधिकारियों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण

रोबोट के जरिए चुनाव प्रक्रिया, नामांकन, आदर्श आचरण संहिता, मतदान व्यवस्था और निर्वाचन संबंधी नियमों की जानकारी देने की संभावनाएं हैं। डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध होने पर अधिकारी जरूरत के अनुसार विषयों को दोहरा भी सकेंगे।

फिर 4 हजार करोड़ बाजार से उठाएगी सरकार

- **सात महीने में 44,900 करोड़ का कर्ज**
- **तीन किस्तों में होगा नया बाजार ऋण**

भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार चालू वित्त वर्ष में एक बार फिर बाजार से 4 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। तीन नवंबर को यह कर्ज तीन किस्तों में लिया जाएगा। इसमें 1,000 करोड़, 1,000 करोड़ और 2,000 करोड़ रुपए की किस्त शामिल है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य का कुल बाजार ऋण बढ़कर करीब 48,900 करोड़ रुपए हो जाएगा। सरकार अप्रैल से अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक 44,900 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है।

वित्त विभाग के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में राज्य की वार्षिक उधारी सीमा करीब 87 हजार करोड़ रुपए है। पहले नौ महीनों के लिए 58,274 करोड़ रुपए की बाजार ऋण सीमा स्वीकृत की गई है। तीन नवंबर को प्रस्तावित कर्ज के बाद भी सरकार इस सीमा के भीतर रहेगी। सरकार के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक 14,073 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 29,980 करोड़ रुपए थी। सरकार का दावा है कि वह अपने ऋण दायित्वों का समय पर भुगतान कर रही है और अब तक किसी तरह का डिफॉल्ट नहीं किया है।

जीएसडीपी के मुकाबले कर्ज 32.53 प्रतिशतबजट अनुमान 2026-27 में राज्य का ऋण और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का अनुपात 32.53 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सरकार के मुताबिक, ब्याज भुगतान और राजस्व प्राप्तियों का अनुपात करीब 10 से 11 प्रतिशत है, जो 15 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के भीतर है।

विकास परियोजनाओं पर खर्च का दावा

सरकार का कहना है कि बाजार से लिए जा रहे कर्ज का इस्तेमाल वेतन-भत्तों, पेंशन और लाड़ली बहना व किसान कल्याण जैसी योजनाओं के भुगतान में नहीं किया जाता। इसका उपयोग सिंचाई, सड़क, पुल, एक्सप्रेस-वे और बिजली अधोसंरचना जैसी परियोजनाओं तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण में किया जाता है।

वनवासी बालिकाओं के साथ समाजसेवियों ने मनाई दीपावली, बांटे उपहार और मिठाई



भोपाल। त्योहारों की खुशियां जरूरतमंद बच्चों के साथ बांटने के उद्देश्य से नवजीवन सेवा समिति एवं माता महालक्ष्मी अन्नक्षेत्र ने सेवा भारती के निर्मला देवी सगदेव वनवासी कन्या छात्रावास, ई-4 अरेरा कॉलोनी में दीपावली पूर्व स्नेह मिलन आयोजित किया। इसमें दूरदराज के क्षेत्रों से आकर शिक्षा ग्रहण कर रहीं 51 आदिवासी बालिकाओं के साथ समाजसेवियों ने दीपावली की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में बालिकाओं के लिए मनोरंजक खेल, प्रश्नोत्तरी और विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। सही जवाब देने वाली बालिकाओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। छात्राओं ने सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देकर आयोजन में उत्साह और उमंग भर दी। इस दौरान सभी बालिकाओं को दीपावली के उपहार और मिठाई वितरित की गई। छात्रावास के कर्मचारियों को भी शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान भेंट किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोजन के साथ हुआ। मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने कहा कि त्योहारों का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब समाज के जरूरतमंद वर्ग भी हमारी खुशियों में शामिल हों। वनवासी छात्रावास की ालिकाओं के साथ दीपावली सेवा और आत्मीयता का संदेश है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी जुड़ाव और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में तरंग अग्रवाल, विनीता दिवाकर, नेहा गुप्ता, गौरव भार्गव, अनिता चावला, संस्था अध्यक्ष राजेश रमतानी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मोहन यादव ने किसान सम्मेलन में साधा कांग्रेस पर निशाना

राहुल गांधी चुनाव हारकर फैला रहे अराजकता

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर चुनावी हार के बाद अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को चुनौती देने का आरोप लगाया है। उन्होंने राहुल गांधी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए विपक्ष का धर्म निभाने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव हार गए हैं तो पांच साल इंतजार करें और फिर चुनाव लड़ें। दो-चार हजार लोगों को लेकर अराजकता फैलाकर 144 करोड़ देशवासियों को चुनौती देना उचित नहीं है।



उज्जैन में किसान सम्मेलन के दौरान मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को भी चुनौती दे रहे हैं। लोकतंत्र में संस्थाओं और व्यवस्थाओं का सम्मान होना चाहिए। देश में किसी एक परिवार का ही शासन चलता रहे, यह संभव नहीं है। ऐसी सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने कार्यों के कारण जनता का विश्वास खो चुकी है।

मंडी तक उतरेगी एलिवेटेड कॉरिडोर की भुजा

मुख्यमंत्री कृषि उपज मंडी में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए। यहां उन्होंने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। सिंहस्थ-2028 से पहले उज्जैन की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए आगर नाके से हरिफाटक तक बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर की एक भुजा कृषि उपज मंडी तक उतारने की घोषणा की। किसानों की मांग पर लिए गए इस फैसले से आगर रोड पर यातायात का दबाव कम होने और किसानों के ट्रैक्टर व अन्य कृषि वाहनों को सीधे मंडी तक पहुंचने में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

अटलजी से सीखने की दी नसीहत

मुख्यमंत्री ने विपक्ष की भूमिका समझाने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जनसंघ से जनता पार्टी और फिर भाजपा बनने तक अटलजी ने करीब 40 साल विपक्ष में रहकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी भूमिका निभाई। बाद में वे देश के प्रधानमंत्री भी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार का विरोध करना है, लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं का सम्मान करते हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 के बाद देश का वैश्विक सम्मान बढ़ा है।

सेवा सदन में 6 माह में 1.30 लाख से अधिक रोगियों की आंखों की जांच और उपचार

संत नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में वर्तमान वित्तीय वर्ष के पूर्वाह अप्रैल-सितंबर 2026 में 1,30,937 नेत्र रोगियों की आंखों की जांच और उपचार किया गया। इसमें 55,155 नेत्र रोगियों ने अस्पताल में आकर अपनी आंखों की जांच और उपचार करवाया। जबकि 75,782 नेत्र रोगी, सेवा सदन द्वारा संचालित 43 दृष्टि जांच केंद्रों और शिविरों में पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी आंखों की जांच और इलाज करवाया। इस अवधि में अस्पताल द्वारा 15 जिलों के 9,405 नेत्र रोगियों के ऑपरेशन किए गए। इसमें 5,693 सशुल्क और 3,712 निःशुल्क ऑपरेशन षामिल हैं। भोपाल जिले के 2,437 नेत्र रोगियों के ऑपरेषन किए गए। जबकि सीहोर जिले के 1,272, नर्मदापुरम 1,121, षाजापुर 1,024, रायसेन 789, राजगढ़ 646, विदिषा 544, हरदा 478, देवास 194, बैतूल 177, सागर 27, नरसिंहपुर 9 तथा राज्य और राज्य के बाहर के अन्य स्थानों से 666 नेत्र रोगियों ने अपने आंखों के ऑपरेषन करवायें हैं। भोपाल गैस त्रासदी के बाद परमहंस संत हिरदाराम साहिब ने गैस पीड़ितों के आंखों की तकलीफों को देखते हुए संत हिरदाराम नगर में छोटे पैमाने पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की स्थापना कर गैस पीड़ितों सहित अन्य पीड़ित लोगों की आंखों का इलाज करवाना षुरू किया। समाज से अंधत्व को दूर करने के उनके संकल्प को मूर्त रूप देने में संत सिद्ध भाऊ और संत जी के सेवादारों ने अहिर्निष सेवाएं दी हैं। परिणामस्वरूप विगत 40 वर्षों में भोपाल और आस पास के 15 जिलों के 42 लाख से भी अधिक लोगों ने अस्पताल और षिविरों में आकर अपनी आंखों का इलाज करवाया। इनमें से 3.87 लाख रोगियों के नेत्र ऑपरेशन किए गए हैं। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अब केवल भोपाल जिला ही नहीं बल्कि मध्यभारत अंचल के समीपस्थ 15 जिलों की 2 करोड़ 75 लाख आबादी को नेत्र सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध कराने लगा है। विष्वस्तरीय उपचार गुणवत्ता, करूणामयी सेवा और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की वजह से सेवा सदन अब राज्य का अग्रणी नेत्र चिकित्सालय बन गया है। पूर्व में यह अस्पताल संत हिरदाराम नगर के एक छोटे भवन में स्थित था। मरीजों को होने वाली तकलीफों और आवागमन की कठिनाईयों को दृष्टिगत रखते हुए सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट ने जीव सेवा संस्थान के सहयोग से एयरपोर्ट रोड पर गांधीनगर के पास पांच एकड़ के विषाल भूखंड पर सुरम्य वातावरण में एक नया अस्पताल बनवाया है। यह अस्पताल 1.30 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में निर्मित है तथा अस्पताल के चारों तरफ विषाल पार्किंग सुविधा है।

मिट्टी, बिजली और मेहनत की लागत बढ़ी, चाइनीज और रेडीमेड दीयों से बढ़ी चुनौती

महंगाई की मार से कुम्हारों के दीये भी पड़े फीके

भोपाल, दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रोशनी और सजावट की तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजार रंग-बिरंगे इलेक्ट्रॉनिक और डिजाइनर दीयों से सजने लगे हैं। आकर्षक बनावट और कम मेहनत में उपलब्ध रेडीमेड दीये ग्राहकों को लुभा रहे हैं, लेकिन इनकी चमक के बीच मिट्टी के पारंपरिक दीपक बनाने वाले कुम्हारों की जिंदगी का अंधेरा गहराता जा रहा है। महंगी मिट्टी, बढ़ते बिजली बिल और बाजार में सस्ते रेडीमेड दीयों की प्रतिस्पर्धा ने उनके पारंपरिक कारोबार पर संकट खड़ा कर दिया है। हालात यह हैं कि कई दिनों की मेहनत से तैयार होने वाले मिट्टी के दीपक औने-पौने दाम पर बेचने पड़ रहे हैं।



राजधानी में कुम्हारों के लिए दीपावली का सीजन सालभर की कमाई का बड़ा मौका होता है। गणेश उत्सव के बाद से ही परिवार के सभी सदस्य दीपक बनाने में जुट जाते हैं। महिलाएं मिट्टी तैयार करने से लेकर दीपकों को सुखाने तक काम संभालती हैं, जबकि पुरुष चाक पर उन्हें आकार देते हैं। बच्चे भी इस काम में हाथ बंटाते हैं। इसके बावजूद तैयार माल की कीमत इतनी कम मिलती है कि लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

लागत बढ़ी, कमाई का गणित बिगड़ाः कुम्हारों के सामने सबसे बड़ी समस्या कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी है। पहले मिट्टी आसानी से और कम कीमत पर मिल जाती थी, लेकिन अब एक ट्रॉली मिट्टी के लिए करीब तीन हजार रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

इसके अलावा मिट्टी को तैयार करने, दीपक बनाने, सुखाने और पकाने में भी समय और संसाधन लगते हैं। पारंपरिक हाथ से चलने वाले चाक की जगह अब इलेक्ट्रॉनिक चाक का इस्तेमाल बढ़ा है। इससे उत्पादन की गति तो बढ़ी है, लेकिन बिजली का खर्च भी बढ़ गया है। पहले जहां बिजली का बिल 200 से 500 रुपए तक आता था, वहीं अब यह बढ़कर 1500 से 2000 रुपए तक पहुंच रहा है। मिट्टी और बिजली के दाम बढ़ने के बावजूद दीपकों की बिक्री कीमत में उसी अनुपात में इजाफा नहीं हुआ है।

रेडीमेड दीयों से मिल रही कड़ी टक्करः बाजार में गुजरात से आने वाले डिजाइनर दीपक और अन्य रेडीमेड उत्पादों की मांग बढ़ रही है। रंग-बिरंगे, सजावटी और आकर्षक डिजाइन वाले दीये ग्राहकों को पारंपरिक मिट्टी के दीपकों से ज्यादा आकर्षित कर रहे हैं। ऐसे में स्थानीय कुम्हारों को अपने उत्पाद बेचने के लिए कीमत कम रखनी पड़ रही है। स्थिति यह है कि पारंपरिक मिट्टी के दीपक करीब 20 रुपए दर्जन तक में बिक रहे हैं, जबकि रेडीमेड दीपकों की कीमत करीब 40 रुपए दर्जन बताई जा रही है। कीमत का यह अंतर कुम्हारों के लिए बड़ी चुनौती है। उनकी चिंता है कि यदि लागत के हिसाब से दाम नहीं मिले तो दीपक बनाने का काम जारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

संपादकीय

‘वॉलंटरी एग्जिट ऑफर’ क्या वास्तव में है स्वैच्छिक?

हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट में काम करने वाले मेरे एक दोस्त ने सोमवार रात मुझे मैसेज किया- %मेल आ गया%। फिर एक मिनट बाद- %तुम होते तो क्या करते?% वह माइक्रोसॉफ्ट के उन लगभग 60,000 कर्मचारियों में से एक है, जिन्हें कंपनी छोडऩे के बदले पैसे की पेशकश की गई है। यह कंपनी के दुनियाभर के 2,23,000 कर्मचारियों के एक-चौथाई से भी ज्यादा है। यह पेशकश अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा और भारत की कुछ चुनिंदा टीमों में लेवल 70 और उससे नीचे के कर्मचारियों के लिए है। माइक्रोसॉफ्ट इसे %वॉलंटरी एग्जिट ऑफर% कहती है और तकनीकी तौर पर देखें तो यह है भी वही। किसी को नौकरी से निकाला नहीं गया है और कोई भी मना करके अपनी नौकरी पर बना रह सकता है। मेरे पास उसके लिए कोई अच्छा जवाब नहीं था, क्योंकि मैं जानता हूं कि ऐसे मामलों में आमतौर पर क्या होता है।जब आपके मैनेजर की टीम %भाग लेने वाली% सूची में हो और कंपनी कहे कि वह अपने कार्यबल को बदलती जरूरतों के हिसाब से ढाल रही है, तो आपको नहीं लगता कि आपको कोई विकल्प दिया जा रहा है। आप सोचने लगते हैं कि मना करने पर क्या होगा। क्या छह महीने बाद छंटनी होगी और तब पैकेज छोटा होगा या मिलेगा ही नहीं? माइक्रोसॉफ्ट ने ऐसा कुछ नहीं कहा है। लेकिन जिन लोगों को वह मेल मिला है, वे यही सोच रहे हैं और इसी से तय होगा कि उनमें से कितने लोग हस्ताक्षर करेंगे। इसके पीछे की वजह समझना मुश्किल नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट इस साल लगभग 175 अरब डॉलर खर्च करने वाली है, ज्यादातर डेटा सेंटरों और चिप्स पर। निवेशक जानना चाहते हैं कि यह पैसा वापस कब आएगा। वेतन उन गिने-चुने बड़े खर्चों में से है, जिन्हें कोई कंपनी जल्दी घटा सकती है। इस साल वसंत में माइक्रोसॉफ्ट ने अमरीका में लगभग 9,000 कर्मचारियों को बायआउट की पेशकश की थी। जुलाई में उसने 4,800 नौकरियां खत्म कीं, ज्यादातर गेमिंग में। और अब यह। मुझे हैरानी हुई प्रभावित टीमों की सूची देखकर।खबरों के मुताबिक इसमें विंडोज, एक्सबॉक्स, फाइनेंस और एचआर के साथ-साथ कोपायलट और एआइ एक्सपीरियंस की टीमें भी शामिल हैं। यानी एआइ बनाने वाले लोग भी उसकी लागत से सुरक्षित नहीं हैं। खबरों के अनुसार सेल्स, कमर्शियल बिजनेस और सिक्योरिटी को इससे बाहर रखा गया है। इससे काफी कुछ पता चलता है कि कंपनी अपनी कमाई का स्रोत कहां मानती है। भारत के लिए यह बहुत मायने रखता है। माइक्रोसॉफ्ट की यहां बड़ी इंजीनियरिंग और सपोर्ट टीमें हैं। ओरेकल पहले ही अपने भारतीय कामकाज से बहुत से लोगों को निकाल चुकी है और दूसरी कंपनियां भी यही करेंगी। हमने सालों तक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को भारतीय टेक की अगली बड़ी चीज बताकर उनका जश्न मनाया है। हम इस बात पर कम बात करते हैं कि जब किसी पेरेंट कंपनी को चुपचाप लागत घटानी होती है, तो उसकी नजर सबसे पहले इन्हीं पर जाती है।भारतीय आइटी इसलिए बढ़ा, क्योंकि ज्यादा काम का मतलब था ज्यादा लोगों की भर्ती। एआइ इस रिश्ते को तोड़ रहा है। विदेशी ग्राहक अब छोटी टीमें और कम बिल चाहते हैं, और उम्मीद करते हैं कि एआइ से जो बचत हो, उसमें उनका भी हिस्सा हो। बेंगलूरु के एक 38 साल के इंजीनियर के बारे में सोचिए, जिस पर होम लोन है, कार लोन है और जिसके दो बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं। अगर वह वेतन रुकता है, तो खर्च भी उसके साथ रुक जाता है। हमारे टेक शहरों में बिल्डरों ने पूरे-पूरे प्रोजेक्ट इस भरोसे पर तय किए हैं कि ये वेतन आते रहेंगे। उनमें से कुछ को बड़ा झटका लगने वाला है। सरकार इसमें से कुछ भी रोक नहीं सकती, लेकिन थोड़ी मदद जरूर कर सकती है। फिलहाल किसी उचित स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत मिलने वाली रकम सिर्फ पांच लाख रुपए तक कर-मुक्त है। इससे ऊपर की रकम पर वेतन की तरह टैक्स लगता है। ऐसी योजना के बाहर दिए गए सामान्य सेवरेंस पर पूरा टैक्स लगता है। सालों से यह पांच लाख रुपए की सीमा वहीं की वहीं है, जबकि किराया, फीस और घरों की कीमतें आसमान छू गई हैं। एक मिड-लेवल प्रोफेशनल के लिए यह रकम मुश्किल से कुछ महीनों की ईएमआइ के बराबर है।वित्त मंत्री को यह सीमा काफी बढ़ानी चाहिए और कम से कम अगले कुछ सालों के लिए इसे सेवरेंस और फुल-एंड-फाइनल सेटलमेंट पर भी लागू करना चाहिए। वेतनभोगी लोग पहले से ही भारत के प्रत्यक्ष करों का बड़ा हिस्सा चुकाते हैं। व्यक्तिगत आयकर संग्रह अब कॉर्पोरेट टैक्स से ज्यादा है। बहुत कम भारतीय आयकर भरते हैं और जो भरते हैं, उन्हें नौकरी जाने पर लगभग कुछ नहीं मिलता। उन्हें अपनी एग्जिट की रकम का ज्यादा हिस्सा रखने देने से सरकार पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा। लेकिन आगे का रास्ता तलाश रहे किसी परिवार के लिए इसका मतलब हो सकता है कुछ और महीने, जिनमें वे नया हुनर सीख सकें या फिर से शुरुआत कर सकें। लोगों को भी अपना खयाल खुद रखना होगा। अगर हो सके तो इतनी बचत कर लें जो दो-तीन साल चल सके। यह मानकर कोई बड़ा नया लोन लेने से पहले बहुत सोच-समझ लें कि आपकी नौकरी सुरक्षित है। एआइ टूल्स का अच्छी तरह इस्तेमाल करना सीखें, क्योंकि जो लोग इनसे असली काम करवा पाएंगे, कंपनियां उन्हीं को रखेंगी। इस सब से कुछ नया निकलेगा। हमेशा निकलता है। लेकिन वहां तक पहुंचना मुश्किल होगा और बहुत से परिवारों के लिए यह दर्दनाक होगा। इसे स्वैच्छिक कह देने से यह आसान नहीं हो जाता।

चीतों की सुरक्षा में चूक के चिंताजनक संकेत

विदेशी धरती से मध्य प्रदेश के जंगलों में लाए गए चीतों का भारतीय जलवायु में ढलना और उनकी संख्या बढऩा वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से उत्साहजनक है। लेकिन श्योपुर के जंगल में चीता निर्वा के घायल मिले 19 माह के शावक केएनजी-22 की मौत ने इस सफलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकार के इरादे से उस पर गोली चलाई गई या ग्रामीणों ने उसे भगाने के लिए एयरगन का इस्तेमाल किया, यह जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन दोनों ही परिस्थितियां वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों की ओर इशारा करती हैं। यह घटना चेतावनी है कि चीतों को अनुकूल वातावरण, पर्याप्त भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें मानवीय गतिविधियों से सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब वे जंगलों में सुरक्षित जीवन जी सकें।देश में बाघ संरक्षण का अनुभव इस दिशा में उपयोगी हो सकता है। बाघों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए गए। संरक्षित क्षेत्र, निगरानी, शिकार निरोधक दल और वन विभाग की सक्रियता जैसे उपायों ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चीतों के मामले में भी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ऐसी व्यवस्था मजबूत करनी होगी। उनके विचरण वाले इलाकों में नियमित गश्त, कैमरा ट्रैप, जीपीएस आधारित निगरानी और संवेदनशील स्थानों पर वनकर्मियों की तैनाती बढ़ानी होगी। स्थानीय ग्रामीणों को भी संरक्षण अभियान का भागीदार बनाना अनिवार्य है। जंगल के आसपास रहने वाले लोगों को समझाना होगा कि चीता दिखने पर घबराकर उस पर हमला करना या उसे भगाने के लिए एयरगन अथवा दूसरे हथियारों का इस्तेमाल करना खतरनाक है। वन विभाग को चाहिए कि वह गांवों में नियमित जागरूकता शिविर आयोजित करे। स्थानीय भाषा में पोस्टर, पर्चों और छोटे वीडियो के माध्यम से बताया जाए कि चीता दिखाई देने पर सुरक्षित दूरी बनाए रखें, उसके पास जाने गांवों में संपर्क अधिकारी नियुक्त करना और चौबीसों घंटे सक्रिय हेल्पलाइन उपलब्ध कराना उपयोगी हो सकता है। ग्रामीणों को भरोसा भी दिलाना होगा कि उनकी सुरक्षा और आजीविका सरकार की प्राथमिकता है। इससे ग्रामीणों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी। दूसरी ओर, यदि जांच में शिकार की मंशा सामने आती है, तो इसे सामान्य घटना मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। दोषियों की पहचान कर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।चीतों को भारत वापस लाना जितना कठिन था, उन्हें सुरक्षित रखना भी उतनी ही बड़ी चुनौती है। केवल वन विभाग ही नहीं, बल्कि सरकार, स्थानीय समुदायों और समाज की इसमें साझा जवाबदेही है।

सहयोग की नई धुरी और भारत के सामने चुनौती

इंडोनेशिया की ऐतिहासिक विदेश-नीति का सूत्र ‘बेबास आक्टिफ’ अर्थात् स्वतंत्र और सक्रिय कूटनीति इसी विवेक का परिचायक है। 1955 के बांडुंग सम्मेलन की उपनिवेशवाद-विरोधी चेतना से निकली उसकी विदेश-नीति की परंपरा ने यह आग्रह किया था कि नवस्वतंत्र राष्ट्र महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता के मोहरे मात्र न बनें। ब्रिक्स की सदस्यता और अमरीका के नेतृत्व में प्रस्तावित बोर्ड ऑफ पीस के साथ उसका जुड़ाव इस व्यापक आकांक्षा को दर्शाते हैं कि इंडोनेशिया अनेक शक्ति-केंद्रों से संबंध रखते हुए अपनी प्राथमिकताएं स्वयं निर्धारित करे। किंतु अनेक मंचों पर उपस्थिति और स्वतंत्र निर्णय-क्षमता एक ही वस्तु नहीं हैं। भारत के लिए बद्र समझौते का प्रश्न इसलिए अधिक संवेदनशील है कि पाकिस्तान की रक्षा-औद्योगिक क्षमता में संभावित वृद्धि दक्षिण एशिया के सामरिक संतुलन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है।

राष्ट्रों की स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल अपनी सीमाओं पर ध्वज फहराना नहीं, बल्कि इतिहास के निर्णायक क्षणों में अपने विवेक से अपना पथ चुनना है। दोहा में इंडोनेशिया, तुर्किये, पाकिस्तान और कतर के बीच हस्ताक्षरित बद्र समझौता-ज्ञापन इसी मूल प्रश्न को हमारे सामने रखता है कि क्या राष्ट्र अपनी शक्ति के लिए नए साझेदार खोज रहे हैं अथवा अनजाने में अपनी स्वतंत्रता के नए बंधन भी गढ़ रहे हैं? इंडोनेशिया के लिए बद्र समझौते का आकर्षण समझने योग्य है। वह अपनी रक्षा-उत्पादन क्षमता बढ़ाना, संयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और विदेशी हथियार-आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता घटाना चाहता है। अमरीका और इजरायल के ईरान के विरुद्ध युद्ध तथा उसके पश्चिम एशियाई प्रभावों ने इस प्रश्न को अधिक तीव्र बनाया है कि संकट की घड़ी में बाहरी सुरक्षा-व्यवस्थाएं कितनी विश्वसनीय रहती हैं। अस्त्र अपने हाथ में हो, किंतु उसकी सामर्थ्य की कुंजी दूसरे के पास हो तो शक्ति और पराधीनता का यह विचित्र सह-अस्तित्व राष्ट्र की रणनीतिक स्वतंत्रता को प्रश्नांकित करता है।

बद्र समझौते की परिकल्पना इसी निर्भरता को साझा औद्योगिक सामर्थ्य से घटाने की है। तुर्किये अपनी विकसित होती रक्षा-तकनीक, कतर पूंजी और पाकिस्तान अपने रक्षा-निर्माण संबंधी अनुभव का योगदान दे सकते हैं। इंडोनेशिया अपने विशाल घरेलू बाजार और औद्योगिक संभावनाओं के माध्यम से इस व्यवस्था को व्यापक आधार प्रदान कर सकता है। किंतु समझौते पर हस्ताक्षर कर देना और तकनीकी आत्मनिर्भरता अर्जित कर लेना दो भिन्न उपलब्धियां हैं। कारखाने स्थापित करने, बौद्धिक संपदा के अधिकार निर्धारित करने और संवेदनशील तकनीक का वास्तविक हस्तांतरण सुनिश्चित करने में वर्षों लग सकते हैं। तुर्किये का रक्षा-उद्योग भी उन्नत इंजनों, सेंसरों और कुछ इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए पश्चिमी तकनीक से पूरी तरह मुक्त नहीं है।

लेकिन इस समझौते का सबसे दिलचस्प पक्ष इंडोनेशिया की विशिष्ट स्थिति है। पाकिस्तान की सुरक्षा-चिंताओं का केंद्र भारत है। कतर के सामने खाड़ी क्षेत्र की अस्थिरता और ईरान से संबंधित प्रश्न हैं। तुर्किये की अपनी क्षेत्रीय आकांक्षाएं और इजरायल के साथ जटिल प्रतिद्वंद्विता है। लेकिन इंडोनेशिया की प्राथमिकताएं भिन्न हैं। वह पश्चिम एशिया से भौगोलिक दूरी पर स्थित एक विशाल द्वीपसमूह राष्ट्र है, जिसकी सुरक्षा समुद्री मार्गों, आर्थिक विकास और स्वतंत्र विदेश-नीति से गहराई से जुड़ी है। उसे इन साझेदारियों से रक्षा-क्षमता तो प्राप्त हो सकती है, किंतु उनके क्षेत्रीय संघर्षों की राजनीतिक विरासत स्वीकार करना उसके लिए अनिवार्य नहीं होना चाहिए।

इंडोनेशिया की ऐतिहासिक विदेश-नीति का सूत्र ‘बेबास आक्टिफ’ अर्थात् स्वतंत्र और सक्रिय कूटनीति इसी विवेक का परिचायक है। 1955 के बांडुंग सम्मेलन की उपनिवेशवाद-विरोधी चेतना से निकली उसकी विदेश-नीति की परंपरा ने यह आग्रह किया था कि नवस्वतंत्र राष्ट्र महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता के मोहरे मात्र न बनें। ब्रिक्स की सदस्यता और अमरीका के नेतृत्व में प्रस्तावित बोर्ड ऑफ पीस के साथ उसका जुड़ाव इस व्यापक आकांक्षा को दर्शाते हैं कि इंडोनेशिया अनेक शक्ति-केंद्रों से संबंध रखते हुए अपनी प्राथमिकताएं स्वयं निर्धारित करे। किंतु अनेक मंचों पर उपस्थिति और स्वतंत्र निर्णय-क्षमता एक ही वस्तु नहीं हैं। भारत के लिए बद्र समझौते का प्रश्न इसलिए अधिक संवेदनशील है कि पाकिस्तान की रक्षा-औद्योगिक क्षमता में संभावित वृद्धि दक्षिण एशिया के सामरिक संतुलन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। तुर्किये की तकनीकी विशेषज्ञता, कतर की पूंजी और नए औद्योगिक साझेदार पाकिस्तान को दीर्घकाल में अतिरिक्त विकल्प दे सकते हैं। भारत-पाकिस्तान के ऐतिहासिक संबंधों और मई 2025 के सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में इस संभावना का गंभीर आकलन आवश्यक है। किंतु आकलन और आशंका को एक मान लेना रणनीतिक विवेक नहीं होगा। बद्र एक रक्षा-औद्योगिक समझौता है। फिलहाल इसे पारस्परिक रक्षा-संधि कहना उचित नहीं होगा। इंडोनेशिया की भागीदारी से यह निष्कर्ष भी नहीं निकलता कि वह भारत के विरुद्ध पाकिस्तान की ओर से सैन्य हस्तक्षेप का दायित्व स्वीकार कर चुका है। न ही बद्र समझौते में उसकी उपस्थिति उसे स्वत- तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब की अलग मक्का रक्षा-व्यवस्था का सदस्य बनाती है।यहीं भारत-इंडोनेशिया संबंधों का महत्व सामने आता है। इन संबंधों को किसी तात्कालिक रक्षा-समझौते की छाया में सीमित करके देखना दोनों देशों के ऐतिहासिक और सामरिक हितों के साथ अन्याय होगा। भारत और इंडोनेशिया के बीच समुद्री संपर्क, व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एशियाई सभ्यताओं की दीर्घ स्मृति से निर्मित संबंध हैं। रामायण और महाभारत की कथाओं ने इंडोनेशियाई सांस्कृतिक जगत में अपने विशिष्ट रूप ग्रहण किए। यह इतिहास इस बात का स्मरण है कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध सामरिक गणनाओं से कहीं अधिक व्यापक सभ्यतागत आधार रखते हैं।आधुनिक काल में भी दोनों देशों की स्वतंत्र विदेश-नीति की आकांक्षा में ऐतिहासिक साम्य दिखाई देता है। भारत की गुटनिरपेक्ष परंपरा और इंडोनेशिया की स्वतंत्र एवं सक्रिय कूटनीति अलग-अलग राष्ट्रीय अनुभवों से विकसित हुई, किंतु दोनों ने किसी एक शक्ति-गुट के अधीन होने के बजाय अपने निर्णयों का अधिकार सुरक्षित रखने पर बल दिया। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की 2025 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दोनों देशों के उच्चस्तरीय संबंधों का उल्लेखनीय संकेत थी। आज हिंद-प्रशांत में समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक मार्गों की निर्बाधता, रक्षा-उद्योग और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों के साझा हितों के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

भारत को इसलिए इंडोनेशिया की नई साझेदारियों को केवल संदेह की दृष्टि से देखने के बजाय अपनी साझेदारी की उपयोगिता और विश्वसनीयता बढ़ानी चाहिए। भारत की सामरिक दृष्टि का उद्देश्य इंडोनेशिया के विकल्प सीमित करना नहीं, बल्कि उसे ऐसे विश्वसनीय विकल्प उपलब्ध कराना होना चाहिए

ऐतिहासिक बदलाव

नई दिल्ली. भारत के 80 वें स्वतंत्रता दिवस का समारोह इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक होने जा रहा है. 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से होने वाले राष्ट्रीय समारोह में पहली बार एक नया औपचारिक क्रम देखने को मिलेगा. राष्ट्रीय गीत ‘वंदे मातरम्’ लाल किले की प्राचीर से बजाया जाएगा और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे. ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान होगा. रक्षा मंत्रालय की ओर से समारोह की तैयारियों और कार्यक्रम के नए क्रम की जानकारी सामने आने के बाद इस बदलाव को लेकर देशभर में चर्चा तेज हो गई है.15 अगस्त 2026 को देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा. स्वतंत्रता दिवस के इस महत्वपूर्ण पड़ाव को केंद्र सरकार ने देश की उपलब्धियों, युवाओं की क्षमता और भविष्य के भारत की दिशा से जोड़ने की तैयारी की है. समारोह में इस बार ‘युवा शक्ति’ को विशेष महत्व दिया जाएगा. विद्यार्थियों, युवा नागरिकों, नवाचार करने वाले युवाओं और देश के विकास में योगदान देने वाली नई पीढ़ी को समारोह के केंद्र में रखने की तैयारी है. सरकार का कहना है कि युवाओं की उपलब्धियों और योगदान को राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित करना इस वर्ष के समारोह का प्रमुख उद्देश्य होगा.

रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इस बार लाल किले की प्राचीर पर कार्यक्रम का क्रम भी अलग होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्राचीर पर पहुंचने के बाद राष्ट्रीय गीत ‘वंदे मातरम्’ बजाया जाएगा. इस दौरान समारोह में मौजूद लोगों के खड़े रहने की व्यवस्था होगी. इसके बाद प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और फिर राष्ट्रगान बजाया जाएगा. इस नए क्रम को स्वतंत्रता दिवस समारोह में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है.

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम के नए क्रम को स्पष्ट करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के प्राचीर पर पहुंचने के बाद राष्ट्रीय गीत बजाया जाएगा और सभी लोग खड़े रहेंगे. इसके बाद ध्वजारोहण होगा और राष्ट्रगान बजाया जाएगा. इस तरह इस वर्ष का समारोह पारंपरिक कार्यक्रम के साथ एक नए औपचारिक क्रम को भी सामने रखेगा.

‘वंदे मातरम्’ को लेकर इस वर्ष पहले से ही देश में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं. वर्ष 2025 से इसके 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में वर्षभर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. गणतंत्र दिवस 2026 के आयोजनों में भी ‘वंदे मातरम्’ को प्रमुख विषय बनाया गया था. अब स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय समारोह में लाल किले की प्राचीर से इसके गायन को शामिल किया जाना इस पूरे वर्ष चल रहे आयोजन से भी जुड़ा हुआ है.

इस बार समारोह में युवा शक्ति को विशेष रूप से सामने लाने की तैयारी है. सरकार के अनुसार देश के युवा आज केवल शिक्षा और रोजगार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, नवाचार, उद्यमिता और विभिन्न क्षेत्रों में नए बदलाव ला रहे हैं. ऐसे युवाओं की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह से जोड़कर देश की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा.युवा नवाचार की चर्चा करते हुए देश में विकसित हो रही नई तकनीकों और अंतरिक्ष क्षेत्र में युवाओं की भूमिका को भी सामने रखा जा रहा है. देश के विभिन्न हिस्सों में युवा इंजीनियर और उद्यमी किफायती अंतरिक्ष तकनीक विकसित करने, अंतरिक्ष मलबे जैसी चुनौतियों से निपटने और प्रयोगशाला में तैयार तकनीकों को बाजार तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं. सरकार के अनुसार ऐसे प्रयास भारत की युवा क्षमता और आत्मनिर्भरता की तस्वीर पेश करते हैं.रक्षा मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में युवाओं को प्रमुखता देने की योजना हाल में हुई किसी घटना के जवाब में नहीं बनाई गई है. रक्षा सचिव के अनुसार युवाओं की उपलब्धियों और योगदान को स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रमुख स्थान देने की योजना पहले से तय थी. यानी सरकार इसे पहले से निर्धारित कार्यक्रम का हिस्सा बता रही है, न कि हाल के किसी घटनाक्रम से प्रेरित निर्णय.समारोह में राजनीतिक प्रोटोकॉल का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा. राष्ट्रीय समारोह में विपक्ष के नेता को औपचारिक रूप से आमंत्रित किए जाने की जानकारी दी गई है.

‘लॉन्ग मार्च’ के पीछे छिपा शी जिनपिंग का खेल

शी जिनपिंग वे सारी शक्तियां प्राप्त कर चुके हैं जो उन्हें चीन की सत्ता में आजीवन रखने के लिए पर्याप्त हैं। वे तो राजनीतिक विचारधारा में %शी जिनपिंग थॉट% को भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के संविधान में जुड़वा चुके हैं जिसे %नए युग के लिए चीनी विशेषताओं वाले समाजवाद पर शी जिनपिंग के विचार% नाम दिया गया है। इससे पहले केवल माओ त्से तुंग और डेंग श्याओपिंग की विचारधारा ही कम्युनिस्ट पार्टी के संविधान में शामिल थी। लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि या तो जिनपिंग की महत्वाकांक्षाएं बहुत अधूरी सी हैं अथवा वे चीन के अंदर कुछ दरकने की आहटें सुनकर परेशान हैं। यदि ऐसा न होता तो शायद 1934 के %लॉन्ग मार्च% को अब ग्लोरीफाई करने की जरूरत न आ पड़ती।

शी जिनपिंग इस समय माओ त्से तुंग और कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा 1934 में शुरू किए गए लॉन्ग मार्च को पुन- जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिहादी रुख अपनाए हुए हैं। इसकी वजह क्या है? एक तो यह कि चीन जिस तरह से कई प्रकार की आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है उसे सरकारी तंत्र सतह से ऊपर नहीं आने देता। चीन में जिस तरह से घरेलू मांग घट रही है, वह अर्थव्यवस्था में बड़े बुलबुले के बनने का संकेत देती है।

देर सबेर यह फूटेगा जरूर। इसलिए जिनपिंग लोगों का ध्यान घरेलू कलह से माओ के संघर्ष (विशेषकर लॉन्ग मार्च) की ओर ले जाना चाहते हैं जिसमें चीनी स्वर्ण युग की छद्म व्यंजना को दिखा सकें। दूसरी यह कि चीन का जेन-जी न ही माओ के संघर्ष को जानता है और न उनके विचारों के विषय में। उसकी दुनिया अलग है। लेकिन माओ उनके दिमागों में ठूंसना जरूरी है। यह उन्हें माओ के %लॉन्ग मार्च% में दिखा, अत- हथियार बना लिया। यदि लोग इससे बंधे रहे तो चीन दुनिया की उथल-पुथल से बेअसर रहेगा अन्यथा बहुत कुछ डरावना तो है ही। दरअसल चीन के सरकारी मीडिया ने %लॉन्ग मार्च% की 90वीं वर्षगांठ के अवसर पर अंग्रेजी भाषा में एक डॉक्यूमेंट्री जारी की है जिसमें दावा किया गया है कि %लॉन्ग मार्च दृढ़ता, एकजुटता और आशा% की एक कहानी है। यह चीन के गृहयुद्ध के दौरान संघर्षरत कम्युनिस्टों की उस प्रसिद्ध, बेहद कठिन सैन्य वापसी का नाम है, जिसने चीनी इतिहास में एक विशेष स्थान हासिल किया। खास बात यह है कि इस डॉक्यूमेंट्री शृंखला के प्रस्तोता लॉन्ग मार्च के हजारों मील लंबे रास्ते के कुछ हिस्सों पर पुन- चलते दिखाई देते हैं और जगह-जगह पर आदर्शवादी और भावुक बातें करते हैं।

एक प्रस्तोता उन दुर्गम क्षेत्रों में उभर चुकी गगनचुंबी इमारतों और डेटा सेंटरों को देखकर आश्चर्यचकित होते हुए कहता है, %हमने न केवल इतिहास को देखा, बल्कि भविष्य को भी देखा।% अंतिम कड़ी में दूसरा प्रस्तोता भावुक स्वर में कहता है, %आशा की राह पर चलने वाले लोग हमेशा रहेंगे।% इस भावुकता के जरिये शी जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति युवाओं में एक ठोस मनोविज्ञान विकसित करना चाहते हैं।

%लॉन्ग मार्च% को लेकर एक और डॉक्यूमेंट्री जिसकी सह-निर्माता पीपल्स लिबरेशन आर्मी है और उसे नाम दिया गया है- %द ग्रेट एक्सपेडिशन%(महान अभियान)। यह डॉक्यूमेंट्री भी 1930 के दशक के अंधकारमय दौर के बाद चीन के आधुनिकीकरण का उत्सव मनाती है और धीरे से राष्ट्रपति शी जिनपिंग को इस विकास के केंद्र में ले आती है।हालांकि कुछ समीक्षक यह मानते हैं कि इस डॉक्यूमेंट्री का प्रमुख संदेश है कि, %जब आप यह तय न कर पा रहे हों कि क्या करना है, तो माओ की ओर देखिएज.।% लेकिन यह इसके पीछे जिनपिंग को खड़ा करके यह बताना चाहती है कि दरअसल माओ की ओर नहीं, जिनपिंग की ओर देखना है। यही वजह है कि इस डॉक्यूमेंट्री में जिनपिंग के भी कुछ दृश्य दिखाई देते हैं जबकि जिनपिंग का %लॉन्ग मार्च% से दूर-दूर तक लेना-देना नहीं है।सैनिकों को इस डॉक्यूमेंट्री को गौर से देखना होगा क्योंकि हाल के वर्षों में निष्ठा की कमी के आरोपों के चलते दर्जनों जनरलों को पद से हटाया जा चुका है। जैसा कि जिनपिंग कह चुके हैं, %हर पीढ़ी का अपना लॉन्ग मार्च होता है।% यह जिनपिंग का वही डर है जिसे वे डॉक्यूमेंट्री के जरिये दूर करने का आश्वासन चाहते हैं। यानि %लॉन्ग मार्च% शी की ताकत नहीं डर से उपजी सुरक्षा की कुंजी है। फिर भी यदि अपेक्षित परिणाम नहीं मिले तो? तो वे भारत की पूर्वोत्तर सीमा की तरफ जरूर देखेंगे। भारत हिमालयी राज्य अरुणाचल प्रदेश के जेमिथांग और अन्य इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कंक्रीट और धन, दोनों झोंक रहा है। यही राज्य दोनों देशों के बीच हुए एकमात्र युद्ध का प्रमुख रणक्षेत्र भी रहा है। हालांकि कुछ झड़पों को छोड़ दें, तो 1975 के बाद से अरुणाचल प्रदेश में कोई सैन्य टकराव नहीं हुआ है। यहां तक कि 2020 में, जब पश्चिम में 1,500 किलोमीटर दूर गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हाथापाई हुई थी,

जानकारी

सैलरी और पेंशन पर आ सकता है बड़ा अपडेट

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है. 8वें वेतन आयोग ने अपने देशव्यापी दौरे के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 22 और 23 जून को अहम बैठक तय की है. इस बैठक में केंद्रीय सरकारी संस्थानों, कर्मचारी यूनियनों और संगठनों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.आयोग का मकसद कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सुनना है ताकि नई वेतन संरचना तैयार करते समय कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. आयोग ने स्पष्ट किया है कि लखनऊ बैठक में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश की कर्मचारी यूनियनों को 10 जून 2026 तक एनआईसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा.आयोग ने अपॉइंटमेंट प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया है. यूनियनों को पहले अपना मांग पत्र आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करना होगा. मांग पत्र सफलतापूर्वक जमा होने के बाद एक यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी. इसी मेमो आईडी के जरिए यूनियनें बैठक के लिए अपॉइंटमेंट ले सकेंगी.इस बीच आयोग ने सभी केंद्रीय कर्मचारी यूनियनों और पेंशनर्स एसोसिएशन्स से 31 मई 2026 तक अपनी सिफारिशें और मांग पत्र जमा करने को कहा है.

देश के बड़े कर्मचारी संगठन जैसे एनसी-जेसीएम और एआईडीईएफ

शिक्षा

तराई की खुशबू से भरपूर लखीमपुर खीरी के कच्चे केले के कोफ्ते

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला लखीमपुर खीरी सिर्फ अपनी हरियाली, तराई और गन्ने की खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक स्वादों के लिए भी खास पहचान रखता है. नेपाल सीमा से सटे इस इलाके की रसोई में मिट्टी की सोंधी खुशबू, देसी मसालों का संतुलन और घर जैसा स्वाद हर व्यंजन में महसूस होता है. इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में ÷कच्चे केले के कोफ्ते÷ ऐसी शाही डिश मानी जाती है, जो आज भी यहां के केले का इस्तेमाल सिर्फ साधारण सब्जी के रूप में नहीं, बल्कि बेहद खास अंदाज में किया जाता है. यहां बनने वाले केले के कोफ्ते इतने मुलायम और रेशमी होते हैं कि मुंह में जाते ही घुल जाते हैं. इस डिश की सबसे बड़ी खासियत इसका संतुलित स्वाद है, जिसमें मसाले केले के प्राकृतिक स्वाद को दबाते नहीं बल्कि उसे और निखार देते हैं.सबसे पहले कच्चे केलों को हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलें नहीं, बस इतने नरम हो जाएं कि आसानी से मैश किए जा सकें. अब केले का छिलका हटाकर उन्हें अच्छे से मैश करें. इसमें भुना बेसन, हरी मिर्च, अदरक, अजवाइन, हींग, नमक और लाल मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें.

34 लाख रुपये तक की कटौती, भारत में असेंबलिंग शुरू होते ही बदले दाम

नई दिल्ली. लग्जरी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिएको लेकर बड़ी खबर सामने आई है. ने भारत में अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड की लोकल असेंबली शुरू कर दी है. इसके बाद कंपनी ने चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में 34 लाख रुपये तक की कटौती की है. कीमतों में इस बदलाव से पहले के मुकाबले अधिक किफायती हो गई है, हालांकि यह अब भी प्रीमियम लग्जरी श्रेणी में आती है. कंपनी अब महाराष्ट्र के पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 110 के चुनिंदा वेरिएंट को असेंबल कर रही है. पहले इन गाड़िय

09 नवंबर को होगा सर्व वैश्य समाज का भव्य दिवाली मिलन का आयोजन

कार्यक्रम में वितरित होगा माता लक्ष्मी व माता अन्नपूर्णा का धन धान्य का खजाना

डॉ उदय शंकर भगत।
सिटी चीफ

वाराणसी (उ.प्र.), सर्व वैश्य समाज द्वारा काशी मे दिनांक 09 नवंबर 2026 दिन- सोमवार को सायं काल 6 बजे से नाटी इमली स्थित गणेश मंडपम मे होगा भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन मैजिक शो सांस्कृतिक कार्यक्रम और लकी ड्रॉ रहेंगे आकर्षण



आज शाम सात बजे मारवाड़ी समाज भवन में आगामी दीपावली मिलन समारोह को मूर्तरूप देने के उद्देश्य से एक बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल ने की इसमें समारोह की रूपरेखा व्यवस्थाओं और कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई बैठक में समिति के अध्यक्ष आर.के. चौधरी महामंत्री दीपक कुमार बजाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल सहित समिति के पदाधिकारियों एवं वैश्य समाज के विभिन्न घटकों के प्रतिनिधियों ने आयोजन को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए अपने सुझाव रखे समिति की ओर से इस वर्ष भी दीपावली मिलन समारोह को सामाजिक एकता आपसी प्रेम और सौहार्द का उत्सव बनाने की तैयारी की जा रही है समारोह में वैश्य समाज के विभिन्न वर्गों एवं उपवर्गों की सहभागिता रहेगी आयोजन का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी संबंधों को मजबूत करना और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है माननीय मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने अपने उदबोधन मे कहा वैश्य समाज का स्वर्णिम इतिहास रहा है हमें समर्पण के साथ देश के निर्माण व विकास मे हर संभव योगदान करना होगा इसी पवित्र उद्देश्य के साथ आज वैश्य समाज अपने उद्योग एवं व्यापार का संचालन कर राष्ट्र निर्माण में संलग्न हैं वैश्य समाज के सभी वर्गों में आपसी प्रेम व सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से इस बार भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन होगा समिति के अध्यक्ष आर. के. चौधरी ने कहा कि पंच दिवसीय दीपोत्सव का यह पर्व दीपावली हम सनातनियों का एक मुख्य पर्व है तथा वैश्य समाज का प्रमुख पर्व है साथ ही वैश्य समाज के लोगो से आवाहन किया कि समाज सेवा के मूल उद्देश्यों के अनुरूप संगठित होकर समाज एवं देश को संगठित आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के लिए हमे एकजुट होकर कार्य करना होगा

समिति के महामंत्री दीपक बजाज ने कार्यक्रम की रुपरेखा को विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि यह दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम अपने आप में बड़ा अद्भुत कार्यक्रम होगा जिसमें श्री गणेश लक्ष्मी पूजन सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुमन अग्रहरी द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आतिशबाजी महाप्रसाद व सहभागियों में पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा जिसके अन्तर्गत लकी ड्रॉ के माध्यम से प्रथम पुरस्कार के रूप में ख्यात टीवी द्वितीय पुरस्कार फ्रिज तृतीय पुरस्कार वाशिंग वाशिंग सहित 100 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये जाएँगे समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल ने बताया कि सर्व वैश्य समाज प्रत्येक वर्ष दीपावली मिलन समारोह का आयोजन भव्य रूप से करता रहा हैं दीपावली हमारी कुलदेवी माता लक्ष्मी के पूजन का प्रमुख पर्व है, इस वर्ष का आयोजन अपने आप में इसलिये भी खास है कि इसमें वाराणसी सहित आस पास के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में वैश्य समुदाय के लोगों की भागीदारी रहेगी तथा आयोजन स्थल पर माता लक्ष्मी व माता अन्नपूर्णा का धन धान्य रूपी ख़ज़ाना भी वितरित किया जायेगा आयोजन को पारिवारिक एवं मनोरंजक स्वरूप देने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने समारोह की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया समिति ने वैश्य समाज के सभी घटकों व्यापारियों उद्यमियों एवं उनके परिवारों से समारोह में शामिल होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाने की अपील की बैठक में मुख्य रूप से आर के चौधरी दीपक कुमार बजाज उमाशंकर अग्रवाल प्रचार मंत्री सुरेश तुलस्यान सत्यनारायण सेठ प्रदीप तुलस्यान देव कुमार राजू अशोक जायसवाल सुजीत गुप्ता कन्हैया गुप्ता कवीन्द्र जायसवाल अनिल गुप्ता हेमदेव अग्रवाल पवन अग्रवाल अरविंद जायसवाल दीपक अग्रवाल राजेश जायसवाल योगी संतोष गुप्ता सूरज गुप्ता मनोज जायसवाल विजय जायसवाल सहित अनेक पदाधिकारी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।



लिफ्ट देने के बहाने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, 12 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

उत्तम कुमार। सिटी चीफ

शेखपुरा (बिहार), शेखपुरा नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरडी कॉलेज मोड़ के पास से एक नाबालिग छात्रा को लिफ्ट देने के बहाने स्कॉर्पियो में बैठाकर दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना के महज 12 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा (पवई) निवासी अमृत कुमार उर्फ अमित कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में शेखपुरा के गिरिहिंडा (हुसैनाबाद रोड) में रह रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी ने छात्रा को घर छोड़ने का झांसा देकर अपनी स्कॉर्पियो में बैठाया था। इसके बाद वह उसे भदौस मोड़ के आगे मदारी रोड स्थित एक सुनसान इलाके में ले गया, जहाँ उसके साथ इस घिनौने कृत्य को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को पचना झारखंड मोड़ मंदिर के पास छोड़कर फरार हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का मकान से धर दबोचा। पुलिस ने कांड में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी और दो मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए हैं। पीड़िता ने आरोपी की पहचान कर ली है। पुलिस प्रशासन के मुताबिक, मामले में 15 दिनों के भीतर न्यायालय में आरोपपत्र (चार्जशीट) दाखिल कर त्वरित सुनवाई (स्पीडी ट्रायल) सुनिश्चित कराई जाएगी ताकि पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।



पर्वों का अनूठा अंदाज ! सुसंस्कार पर्व है अहोई अष्टमी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर (उ.प्र.)। ये विचित्र बात है कि दाम्पत्य पर्व करवा चौथ और सुसंतति पर्व अहोई अष्टमी के व्रत महिलाओं तक ही सिमट कर रह गए हैं, जबकि सुखद और प्रेमप्रतीक दाम्पत्य की रक्षा में पति पत्नी दोनों ही एकदूजे के लिए व्रत रखें तो इसका आनंद बहुगुणित हो जाए। इसी तरह सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव के कारण पनपी कुरीतियों की वजह से सुसंतति के लिए मनाये जाने वाला पर्व अहोई अष्टमी केवल पुत्रवती माताओं द्वारा मनाया जाना भेदभाव पूर्ण होने से इसकी महिमा को कम करता है इसलिए अनजाने में ही पनपी इस कुरीति में बदलाव लाने का शंखनाद मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान ने किया है। गौरव की बात है कि गुरुदेव स्वामी पद्मश्री भारत भूषण की प्रेरणा से न सिर्फ करवा चौथ पर पति-पत्नी एक दूजे के लिए व्रत रखने लगे हैं बल्कि बेटियों वाले माता-पिता भी गर्व से अहोई अष्टमी व्रत रखकर संतान में लैंगिक भेदभाव मिटाकर सुसंतति के लिए पर्व मनाने का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान में इससे भी आगे ब?ते हुए देश की नई पीढ़ी को सामर्थ्यवान संस्कारवान बनाने की प्रार्थना के लिए अहोई अष्टमी व्रत और यज्ञ का आयोजन किया गया। आई टी सी के शाखा प्रबंधक संदीप शर्मा, आशा शर्मा दंपती के यजमानत्व में संपन्न हुए इस अनुष्ठान में संदीप शर्मा ने ये भाव व्यक्त किए। इस अवसर पर मौजूद स्वामी भारत भूषण से सपरिवार अहोई कथा सुनने में माता-पिता के साथ पुत्र-पुत्रियाँ भी शामिल रहे और सबल, समर्थ, स्वाभिमानी, सुसंस्कारी नई पीढ़ी के पुनर्जागरण की कामना की! साधकों द्वारा योगाभ्यास, संध्या एवं वैदिक यज्ञ के साथ माँ-पिता का चरणस्पर्श करके नित्य व्यायाम और योगाभ्यास से राष्ट्रधर्म के लिए स्वयं को तैयार करने का संकल्प भी लिया गया। आशीर्वाद स्वरूप गुरुदेव स्वामी भारत भूषण, गुरुमाता इष्ट शर्मा और नेशन बिल्डर्स एकेडमी प्रतिनिधि मिथलेश शर्मा व अभिभावकों ने ÷ भगवान देश के बच्चों को बलवान बनाना, भगवान देश के बच्चों को विद्वान बनाना, भगवान देश के बच्चों को धनवान बनाना, भगवान देश के बच्चों को दयावान बनाना÷ की आशीर्वाद प्रार्थना की। यज्ञीय व्यवस्था नई पीढ़ी के ही शिवम, विष्णु व ध्रुव पाठक ने योग आचार्य सीमा गुप्ता, व्यवस्था प्रमुख ललित रुहेला, ध्यान प्रमुख विजय सुखीजा व कार्यक्रम संयोजक नन्द किशोर शर्मा के मार्गदर्शन में की।

बोले... सपा भाजपा की बी टीम, अखिलेश यादव की दिशा तय नहीं, सपा-कांग्रेस ने संविधान की पुस्तक दिखाकर मांगे वोट

मायावती के भतीजे, आकाश आनंद ने मोदी-योगी सरकारों और अखिलेश यादव पर कसे तीखे तंज

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर (उ.प्र.)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की चार बार की मुख्यमंत्री रहीं मायावती के भतीजे और हाल ही में फिर से बनाए गए बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद आज बसपा का गढ रहे सहारनपुर में अपनी बुआ जितनी भीड तो नहीं खींच पाए लेकिन उनसे भी ज्यादा आकर्षण का केंद्र रहे। युवा होने के बावजूद आकाश आनंद ने परिपक्व और मंझे हुए नेता की तरह अपने विरोधी दलों भाजपा, सपा पर तीखे सियासी हमले किए और बसपा के लिए माहौल बनाने की भरसक कोशिश की।सहारनपुर की नकुड विधानसभा क्षेत्र सोराणा में बसपा की सभा में आज आकाश आनंद 2027 विधानसभा चुनाव से पहले अनुसूचित जाति के असर वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बसपा की पुराना सियासी रसूख बनाने की कोशिश दिखे। उन्होंने अखिलेश यादव और उनकी समाजवादी पार्टी को भाजपा की बी टीम बताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के एक सत्र में अखिलेश यादव को अपना मित्र और समय-समय पर मदद करने वाला नेता बताया



था। उन्होंने अखिलेश यादव को रंग बदलने में माहिर बताते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक दिशा साफ नहीं है। वह कभी पीडीए में पी को पिछडं के लिए और कभी पंडितों के लिए इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में डा. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान की पुस्तक दिखाकर दलित समाज को गुमराह कर उनका समर्थन हासिल किया। उन्हें यह बताना चाहिए कि उन्होंने इस वर्ग के लिए क्या किया।

उन्होंने भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर व्यंग्य करते हुए कहा कि ये तेल ज्यादा पीती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर उनका आरोप था कि 10 साल में उन्होंने 7 हजार करो? रूपया खुद की छवि बनाने एवं दिखाने के लिए विज्ञापनों पर खर्च किया। 25 हजार से ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद किए और डेढ लाख ज्यादा शिक्षकों की भर्ती अधर में लटकी है। युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। अस्पतालों में बच्चों की जान बचाने की व्यवस्था नहीं है। बुलडोजर, एनकाउंटर और हाफ काउंटर के नाम से मशहूर योगी आदित्यनाथ के राज में सबसे ज्यादा हत्या के मामलें इसी राज्य में दर्ज हैं।

उन्होंने अखिलेश यादव की जयंत चौधरी पर चवन्नी को रूपया बनाने वाली टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और जाटों को खुश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि एआई सीखे बिना युवा भविष्य की दौ? में पिछडेंगे। उन्होंने कहा कि 10 हजार के राशन से बेहतर 30 हजार की नौकरी है। युवाओं को रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश के विकसित राज्य होने की पहचान बनेगी। बेरोजगारी और मुफ्त राशन से युवाओं का भविष्य नहीं बनता है।उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ दोनों के कार्यकाल में प्रदेश में जंगलराज देखने को मिला। उन्होंने अपनी बुआ मायावती के शासनकाल में दिखी सुदृढ कानून व्यवस्था, सौहार्द और भाईचारे के माहौल की जमकर तारीफ की।

बड़वानी के वार्ड 5 में खाली प्लाट पर मिला नवजात का शव, सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

अतुल कुमावत। सिटी चीफ

बड़वानी, बड़वानी शहर के वार्ड क्रमांक 5 की सुख विलास कॉलोनी में रविवार को नवजात शिशु का शव मिलने से हड़कंप मच गया। खाली प्लाट पर नवजात का शव पड़े होने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद गजेंद्र सोनाने ने बताया कि रविवार सुबह उन्हें कॉलोनी के लोगों ने सूचना दी कि सुख विलास कॉलोनी में भूपेंद्र भाई सोनी के खाली प्लाट पर कोई अज्ञात व्यक्ति नवजात शिशु को फेंक कर चला गया है। सूचना मिलते ही वे तत्काल मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचकर देखा तो एक नवजात



बालक का शव प्लाट पर पड़ा था, जो दिखने में लगभग दो दिन का लग रहा है।

पार्षद सोनाने ने बताया कि उन्होंने तत्काल बीट प्रभारी और शहर कोतवाली टीआई को फोन लगाकर घटना से अवगत कराया। सूचना पर कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पार्षद गजेंद्र सोनाने ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक और अमानवीय घटना है। इसके पहले भी झामरिया गार्डन के पास इसी तरह नवजात मिलने की घटना हो चुकी है।

दिल्ली के लाल किले पर बड़वानी के शुभम जाट ने फिर रचा इतिहास, स्वदेशी रनवे शो में किसान बनकर दिया आत्मनिर्भर भारत का संदेश

अतुल कुमावत। सिटी चीफ

बड़वानी, बड़वानी जिले के लिए गर्व का क्षण है कि जिले के होनहार युवा शुभम जाट ने एक बार फिर देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। दिल्ली के लाल किले में आयोजित प्रतिष्ठित में शुभम जाट ने किसान की भूमिका निभाकर किसानों के महत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि खुद किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले शुभम जाट ने मंच पर किसान की वेशभूषा धारण कर किसान की भूमिका को जीवंत कर दिया। धोती-कुर्ता और गमछे में सजे



शुभम ने अपनी जड़ों से जुड़ाव, मिट्टी से लगाव और अन्नदाता के प्रति सम्मान को बखूबी प्रदर्शित किया। उन्होंने मंच से संदेश दिया कि किसान देश की आत्मा है और स्वदेशी अपनाकर ही हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकते हैं। उनकी इस प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया और खूब तालियां बटोरीं।

इस भव्य आयोजन में शुभम जाट ने न सिर्फ किसान की भूमिका निभाई, बल्कि पूरी टीम का नेतृत्व भी किया। टीम के मार्गदर्शक के रूप में गुजरात के प्रसिद्ध व्यक्तित्व अब्दुल जी बजानिया मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लाल किले के ऐतिहासिक मंच से ही शुभम जाट, नरेंद्र चौधरी, अभिषेक चंदेल और प्रदीप द्विवीर ने संयुक्त रूप से अब्दुल जी बजानिया को का चेयरमैन घोषित किया। यह घोषणा कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही।आयोजन की विशेषता यह रही कि यह कोई सामान्य फैशन शो नहीं था, बल्कि स्वदेशी रनवे शो था। इस शो के माध्यम से देशवासियों को स्वदेशी बनाने का संदेश दिया गया। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को इस शो के जरिए साकार करने का प्रयास किया गया।

कोनीखुर्द में जेसीबी से उजाड़े जा रहे इमारती पेड़, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

वनभूमि पर अवैध कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने की निष्पक्ष जांच की मांग

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ

जबलपुर । जिले की मझौली तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनी कला के ग्राम कोनीखुर्द में गोशाला के पास स्थित बड़े झाड़ के जंगल की जमीन पर कथित अवैध कब्जे और इमारती पेड़ों को उजाड़े जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जंगल की जमीन पर जेसीबी मशीन चलाकर बड़े-बड़े इमारती पेड़ों को उखाड़ा जा रहा है। इस घटना के बाद वनभूमि की सुरक्षा, विभागीय निगरानी और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस क्षेत्र में पहले पेड़-पौधे और प्राकृतिक वनस्पति दिखाई देती थी, वहां अब जमीन को समतल करने तथा पेड़ों को हटाने के निशान नजर आ रहे हैं। आरोप है कि वनभूमि पर कब्जे की कोशिश के तहत पेड़ों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल वन संपदा को नुकसान पहुंचाने का मामला होगा, बल्कि सरकारी भूमि की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करेगा।

जेसीबी से पेड़ उखाड़ने का आरोप, वनभूमि को नुकसान पहुंचने की आशंका

स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, संबंधित क्षेत्र में जेसीबी मशीन के माध्यम से जमीन की खुदाई और सफाई का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इस प्रक्रिया में बड़े-बड़े इमारती पेड़ों को उखाड़ा जा रहा है तथा जंगल की प्राकृतिक संरचना को नुकसान पहुंच रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वनभूमि पर कथित कब्जे की गतिविधियों के बावजूद समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में यह जांच आवश्यक हो जाती है कि संबंधित भूमि का वास्तविक राजस्व एवं वन विभागीय रिकॉर्ड क्या है, वहां किस प्रकार की भूमि दर्ज है और मशीन से काम कराने



की अनुमति किसके द्वारा दी गई है।

हालांकि, भूमि की आधिकारिक स्थिति, पेड़ों को हटाने की अनुमति तथा संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि सक्षम विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।

तालाब निर्माण और अन्य कार्यों की आड़ में जमीन पर कब्जे की आशंका

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पहले भी मिट्टी की खुदाई, तालाब निर्माण और सड़क निर्माण जैसे कार्यों की आड़ में जमीन को समतल करने तथा वनभूमि को नुकसान पहुंचाने की गतिविधियां हुई हैं। उनका कहना है कि यदि ऐसे कार्य बिना आवश्यक अनुमति के किए जा रहे हैं, तो इससे सरकारी भूमि पर अनधिकृत कब्जे की आशंका बढ़ सकती है।

ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया कि क्या संबंधित निर्माण अथवा जमीन की सफाई के लिए आवश्यक अनुमतियां ली गई हैं? यदि अनुमति ली गई है, तो उसकी शर्तों का पालन किया जा रहा है या नहीं? इन बिंदुओं की जांच होने पर ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वन विभाग की निगरानी पर सवाल, ग्रामीणों ने मांगा जवाब

इस घटना के बाद वन विभाग की भूमिका और क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल की जमीन पर मशीनों से काम होने और पेड़ों को नुकसान पहुंचने जैसी गतिविधियों की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचनी चाहिए थी।

ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके का निरीक्षण करें और यह पता लगाएं कि कितने पेड़ों को नुकसान पहुंचा है, जमीन की खुदाई किस उद्देश्य से की गई तथा इसके पीछे कौन लोग जिम्मेदार हैं।

यदि जांच में वनभूमि पर अवैध कब्जे अथवा बिना अनुमति पेड़ों को काटने या उखाड़ने की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

स्वतंत्र जांच की मांग, दोषियों पर कार्रवाई की अपेक्षा

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि संबंधित स्थल का भौतिक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए।ग्रामीणों की प्रमुख मांगें हैं कि संबंधित भूमि के अभिलेखों की जांच की जाए, जेसीबी से कराए गए कार्य की अनुमति की जानकारी सार्वजनिक की जाए, पेड़ों को हुए नुकसान का आकलन किया जाए और यदि अनियमितता प्रमाणित होती है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

वन संपदा की सुरक्षा प्रशासन की जिम्मेदारी

वन और वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ भूजल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकने तथा स्थानीय जैव विविधता को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में जंगल की जमीन पर कथित अतिक्रमण और पेड़ों को नुकसान पहुंचाने से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना जरूरी है।अब देखना यह होगा कि कोनीखुर्द में सामने आए इस मामले में वन विभाग और जिला प्रशासन कब तक मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू करते हैं और ग्रामीणों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई होती है। फिलहाल ग्रामीणों की मांग है कि वनभूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए तथा प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचाने की किसी भी गतिविधि पर प्रभावी रोक लगाई जाए।



सन साइन ट्रस्ट मुंबई एवं श्री कृष्ण गोशाला कमेटी ने 200 से अधिक महिलाओं को वितरित की खाद्य सामग्री

जितेंद्र पमनानी। सिटी चीफ

आगरा (उ.प्र.)। सन साइन ट्रस्ट मुंबई एवं श्री कृष्ण गोशाला कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में श्री कृष्ण गोशाला परिसर में सेवा और सहयोग की मिसाल पेश करते हुए खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 200 से अधिक जरूरतमंद महिलाओं को खाद्य सामग्री वितरित की गई,इस अवसर पर गिरधारी लाल भक्तियानी, महेश मांगरानी,जेपी धर्मानी,जेके मदनानी,दादा पूरन चंद,भगवान अवतानी,लालचंद मोटवानी,भागचंद थावानी,सोनू मदनानी, जाजन सोनी, कन्हैया सोनी,सुनील करमचंदानी,मनीष हरजानी,मनीष लालचंदानी,कपिल पंजवानी,लच्छू भाई मौजूद रहे.

जायंट्स ग्रुप का 14 एवं 15 नवम्बर को खजुराहो में होगा वार्षिक आयोजन सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील

तेज प्रताप दुबे। सिटी चीफ



सतना, जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल ओम प्लाजा में श्रीमती राखी होतचंदानी के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 14 एवं 15 नवम्बर 2026 को खजुराहो में आयोजित होने वाले जायंट्स ग्रुप के वार्षिक कार्यक्रम की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में वार्षिक कार्यक्रम को भव्य, सफल एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। सदस्यों ने आयोजन की सफलता के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा कार्यक्रम में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर सभी सम्माननीय सदस्यों से अपील की गई कि वे खजुराहो में आयोजित होने वाले इस वार्षिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएं।बैठक में बसंत शर्मा (यूनिट डायरेक्टर), डॉ. दीपक सोई (अध्यक्ष), मोना चोपड़ा (संरक्षक), श्यामलाल गुप्ता श्यामू (मीडिया प्रभारी), नीलाम्बर झा (पूर्व अध्यक्ष), सिमरन होतचंदानी, रेशमा डिसूजा, नीलम कुशवाह, ऋचाम्भरा कुशवाहा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।बैठक सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर खजुराहो के वार्षिक आयोजन को यादगार बनाने तथा जायंट्स ग्रुप की सामाजिक एकता और संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

बोनांज़ा स्कूल में निःशुल्क ताइक्वांडो एवं जूडो-कराटे प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए महापौर बेटियों को आत्मरक्षा में सक्षम बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : महापौर योगेश कुमार ताम्रकार

मौसम ताम्रकार। सिटी चीफ



सतना। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने बोनांज़ा स्कूल में पद्माशंकर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क ताइक्वांडो एवं जूडो-कराटे प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। महापौर ने कहा कि बेटियां केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की शक्ति हैं। उन्हें शिक्षित करने के साथ-साथ आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बेटियों को विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का साहस देने के साथ उनके आत्मविश्वास, निर्भीकता और निर्णय लेने की क्षमता को भी मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में बेटियों के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है। इस प्रकार के निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर समाज में जागरूकता लाने और बेटियों को सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय पहल हैं।

कार्यक्रम में श्री दिलीप अरोरा, विद्यालय के चेयरमैन श्री गौरव अरोरा, प्राचार्या श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, प्रशिक्षक श्री बीरेंद्र सिंह, कोच सुश्री दीपिका नामदेव एवं सुश्री कुमकुम सिंह सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

मुंगेर में बड़ी आपराधिक साजिश नाकाम- दो हथियार तस्कर भारी मात्रा में पिस्तौल और कारतूस के साथ गिरफ्तार

उत्तम कुमार। सिटी चीफ

मुंगेर (बिहार), मुंगेर पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के साथ दो अपराधियों को रंगे हाथों दबोचा है। पकड़े गए बदमाशों के पास से दो नाली बंदूक, देशी पिस्टल और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस को यह सफलता कटरिया बगीचा इलाके में की गई एक विशेष छापेमारी के दौरान मिली। मुंगेर पुलिस मुख्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस कप्तान को गुप्त सूचना मिली थी कि कटरिया बगीचा में दो अज्ञात अपराधी किसी बड़ी अप्रिय घटना को अंजाम देने की नियत से अवैध हथियारों के साथ छिपे हुए हैं। सूचना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मुफस्सिल थाना पुलिस की एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। जैसे ही पुलिस टीम कटरिया बगीचा पहुंची और अपराधियों की घेराबंदी शुरू की, दोनों संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगे। हालांकि, मुफस्सिल थाना के सह अपर थानाध्यक्ष पु0अ0नि0 मिथिलेश कुमार कुणाल और उनके साथ मौजूद सशस्त्र बल के जवानों ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया। पुलिस की गिरफ्त में आए अपराधियों की पहचान मुंगेर जिले के ही रहने वालों के रूप में हुई है- अक्षय कुमार (पिता- महेश यादव, निवासी- कटरिया, थाना-मुफस्सिल) राजेश कुमार यादव (पिता- स्वर्गीय विश्वनाथ यादव, निवासी- तीन घरवा टोला, थाना-लड़ैयाटांड़)गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने दोनों की कानूनी रूप से तलाशी ली, तो उनके पास से निम्नलिखित अवैध सामग्री बरामद की गई-

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

अतुल कुमावत। सिटी चीफ

बड़वानी। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिला स्वास्थ्य समिति एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करने पर बल दिया गया।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु की उचित देखभाल समाज के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है तथा मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाना और संस्थागत प्रसव को बढाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में कार्य करते हुए जिले में नवीन डिलीवरी पॉइंट्स शुरू किए जाएंगे। राजपुर विकासखंड अंतर्गत दोनोद और इकलबारा में शीघ्र ही 2 नए डिलीवरी पॉइंट शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य विकासखंडों में भी प्राथमिकता के आधार पर नए केंद्र संचालित किए जाएंगे।

इन केंद्रों के क्रियान्वयन से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को स्थानीय स्तर पर ही त्वरित, सुरक्षित और आपातकालीन प्रसव सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे संस्थागत प्रसव को ब?ावा मिलेगा। बैठक में संबंधित अधिकारियों को चिकित्सा उपकरणों, आवश्यक दवाओं और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की व्यवस्था समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आम जनता को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके।



बैठक में दिए गए अन्य निर्देश-1.अनमोल 2.0 पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं के पंजीयन के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और डीपीओ,महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया कि दोनों विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कैंप मोड पर कार्य करें। क्लस्टरवार शिविर आयोजित किए जाएं,ताकि शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं व शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके साथ ही पोर्टल पर प्रथम तिमाही में 97 प्रतिशत पंजीयन की उपलब्धि दर्ज किए जाने पर संबंधित अधिकारियों और मैदानी अमले की सराहना की।2.सभी बीएमओ को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की सभी गर्भवती महिलाओं से संपर्क कर प्रत्येक गर्भवती महिला का प्रसव पूर्व चारों एएनसी पंजीयन और स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, ब्लॉक स्तर पर इस पूरी प्रक्रिया की नियमित और सतत समीक्षा की जाए।3.जननी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के अंतर्गत जिन विकासखंडों में प्रकरणों की लंबितता अधिक है, वहाँ विशेष प्राथमिकता के साथ कार्य कर लंबित मामलों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।4.सिकल सेल एनीमिया, पीआईएच एवं गंभीर एनीमिया का प्रभावी तथा समयबद्ध प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

5.आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि आयुष्मान नोडल अधिकारी ब्लॉकवार डेटा प्राप्त कर सम्बंधित सीएचओ के साथ समन्वय स्थापित कर शेष पात्र लाभार्थियों एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के कार्ड शीघ्र बनवाना सुनिश्चित करें।

6.नियमित टीकाकरण, सिकल सेल स्क्रीनिंग, टीबी स्क्रीनिंग, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं की समीक्षा की गई।महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत सैम,मैम एवं एसयूडब्ल्यू बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के तहत दर्ज बच्चों के पोषण स्तर की समीक्षा की गई एवं नियमित फॉलो-अप बाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री हेमलता सोलंकी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री जयपाल सिंह ठाकुर, जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री आरएस गुंडिया सहित सभी विकासखण्ड के बीएमओ,बीपीएम,प्रोग्राम ऑफिसर,सीडीपीओ उपस्थित रहे।

किसानों को उच्च गुणवत्ता का खाद और बीज सहजता से मुहैया कराएं कमिश्नर

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग में कोदो-कुटकी की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि शहडोल संभाग में कोदो-कुटकी की खेती पारंपरिक रूप से किसानों द्वारा की जा रही है इसे और अधिक प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कमिश्नर ने कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे किसानों को कोदो-कुटकी की खेती से होने वाले लाभों के बारे में बताएं तथा शहडोल संभाग में कोदो-कुटकी की खेती के लिए किसानों को



सतत रूप से प्रोत्साहित करें। कमिश्नर ने उक्त निर्देश आज कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, सहकारिता विभाग एवं पशुपालन विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए।

बैठक में कमिश्नर ने चालू रबी सीजन के लिए किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि शहडोल संभाग के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहजता से उच्च गुणवत्ता का खाद और बीज मुहैया कराएं। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग के किसानों को उचित दरों पर उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध हो, यह संबंधित विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि खाद-बीज की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग के मैदानी अधिकारी खाद-बीज की गुणवत्ता नियंत्रण हेतु समय-समय पर खाद-बीज के नमूने लेकर कार्रवाई भी सुनिश्चित करें।बैठक में प्राकृतिक खेती मिशन की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहडोल संभाग में प्राकृतिक खेती की विपुल संभावनाएं हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषि वैज्ञानिक किसानों से संपर्क स्थापित कर प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों को जागरूक करें तथा उन्हें प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लक्ष्य शहडोल संभाग में काफी कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में किसानों को समुचित जानकारी दें तथा इस योजना में अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन कर उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाएं।बैठक में कृषि यंत्रीकरण योजना की प्रगति की कमिश्नर द्वारा जिलेवार समीक्षा की गई

अख़्नूर में नशा तस्करी के खिलाफ जम्मू पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15/16 ग्राम हेरोइन जैसे नशीले पदार्थ के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

मोहन सिंह। सिटी चीफ

जम्मू, नशा तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए जम्मू (रूरल) पुलिस ने अख़्नूर में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 15 से 16 ग्राम हेरोइन जैसा नशीला पदार्थ बरामद किया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान रणजीत सिंह उर्फ रिशु पुत्र कुलदीप सिंह, निवासी बल्ले बाग, तहसील अख़्नूर, जिला जम्मू के रूप में हुई है।पुलिस द्वारा आरोपी की तलाशी लेने के दौरान उसके कब्जे से 15ङ्क16 ग्राम हेरोइन जैसा नशीला पदार्थ बरामद हुआ, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।इस संबंध में पुलिस थाना अख़्नूर में नंबर 254/2026, एक्ट की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।जांच के दौरान पुलिस बरामद नशीले पदार्थ के स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ इसके आगे और पीछे जुड़े नेटवर्क की भी जांच कर रही है।जम्मू (रूरल) पुलिस ने दोहराया है कि नशे के खिलाफ उसकी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और नशीले पदार्थों की अवैध खरीद-फरोख्त, परिवहन एवं सप्लाई में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



राजातालाब में बाइक सवार उचक्कों ने पत्रकार का मोबाइल छीना हाईवे पर लगातार छिनैती की घटनाओं से लोगों में नाराजगी

डॉ उदय शंकर भगत। सिटी चीफ



वाराणसी। हाईवे पर बाइक सवार उचक्कों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को राजातालाब में काले रंग की अपाचे बाइक सवार दो उचक्कों ने पत्रकार ओमकारनाथ का मोबाइल छीन लिया और तेज रफ्तार से फरार हो गए पीड़ित ने राजातालाब थाने में प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की ओमकारनाथ मूलरूप से मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के खरगरामपुर गांव के निवासी हैं वह अपनी पत्नी के साथ लालपुर चट्टी स्थित अपने आवास जा रहे थे इसी दौरान राजातालाब पहुंचने पर उन्होंने किसी से फोन पर बातचीत की बातचीत समाप्त होने के बाद जैसे ही वह मोबाइल फोन पैंट की पीछे वाली जेब में रख रहे थे तभी पीछे से अपाचे बाइक पर सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया इसके बाद फरार हो गए अचानक हुई घटना से ओमकारनाथ हतप्रभ रह गए उन्होंने तत्काल बाइक सवारों का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन दोनों तेज रफ्तार से मिर्जामुराद की ओर भाग निकले इसके और लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे और उसके आसपास के इलाकों में आएदिन बाइक सवार उचक्कों द्वारा छीनने की घटनाएं हो रही हैं। राहगीरों को निशाना बनाकर बदमाश आसानी से फरार हो जाते हैं। लगातार हो रही ऐसी वारदातों से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि घटनाओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लगने से पुलिस के प्रति भरोसा कमजोर पड़ता जा रहा है।

श्री आलोक मिश्रा ने उत्तर पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया



श्री आलोक मिश्रा ने उत्तर पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक के पद पर सोमवार, 02 नवम्बर, 2026 को कार्यभार ग्रहण किया है। श्री मिश्रा भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के वर्ष 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं तथा उन्हें रेलवे के आधारभूत संरचना विकास, रेलपथ अनुरक्षण एवं प्रशासन के क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव प्राप्त है।उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार अपर महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व श्री आलोक मिश्रा उत्तर रेलवे में उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत थे। इससे पूर्व उन्होंने उत्तर रेलवे में मुख्य ट्रैक इंजीनियर के पद पर भी अपनी सेवाएं प्रदान की हैं।

बीएचयू में हर्बल औषधि अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

डॉ उदय शंकर भगत। सिटी चीफ

वाराणसी(उ.प्र.)द्य काशी हिंदू विश्वविद्यालय बीएचयू के आयुर्विज्ञान संस्थान के आयुर्वेद संकाय स्थित द्रव्यगुण विभाग की ओर से हर्बल औषधि अनुसंधान में नवीनतम प्रगति पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को के.एन. उडप्पा सभागार में शुभारंभ हुआ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसमेंट इन हर्बल ड्रग रिसर्च 2026 नामक यह सम्मेलन 3 नवंबर तक चलेगा इसमें भारत सहित विभिन्न देशों के वैज्ञानिक शिक्षाविद चिकित्सक और शोधकर्ता भाग ले रहे हैं उद्घाटन समारोह में बीएचयू के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी उपस्थित रहे पद्मश्री प्रो. मनोरंजन साहू मुख्य अतिथि तथा रूस के मॉस्को स्थित सेचेनोव विश्वविद्यालय की प्रो. इरीना वी. ग्रेवल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं समारोह में बीएचयू के आयुर्विज्ञान संस्थान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. के.एन. द्विवेदी उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय देहरादून के प्रो.



अरुण कुमार त्रिपाठी आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एस.एन. संखवार तथा आयुर्वेद संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. के.एच.एच.वी.एस.एस. नरसिम्हा मूर्ति की उपस्थिति रही कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया जबकि सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. राजेश कुमार सिंह ने सम्मेलन के उद्देश्यों एवं रूपरेखा की जानकारी दी इस अवसर पर सम्मेलन की सार-पुस्तिका का विमोचन तथा एकेडमी ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज का उद्घाटन भी किया गया सम्मेलन के प्रथम दिन आयोजित वैज्ञानिक सत्रों में हर्बल औषधियों की खोज एवं विकास औषधीय पौधों की पहचान और प्रामाणिकता पादप रासायनिक घटकों के विश्लेषण प्राकृतिक उत्पादों से कैंसररोधी औषधियों की खोज तथा हर्बल औषधियों के औषधीय एवं औषध क्रियात्मक मूल्यांकन जैसे विषयों पर चर्चा हुई इसके साथ ही हर्बल औषधीय फॉर्मूलेशन और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के साथ जोड़ने की संभावनाओं पर भी विशेषज्ञों ने विचार रखे वक्ताओं ने हर्बल तथा एवं हर्बल ज्ञान को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों से जोड़कर सुरक्षित प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित औषधियों के विकास को प्रोत्साहित करना है आयोजन का संयोजन द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार सिंह कर रहे हैं

दोनों कब्रिस्तानों में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए हुई विशेष प्रार्थना, परिजनों ने नम आंखों से किया अपने प्रियजनों का स्मरण

शहडोल में ईसाई समुदाय ने श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया 'ऑल सोल्स डे'

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल,विश्वभर में 2 नवंबर को ईसाई धर्मावलंबियों द्वारा मनाया जाने वाला 'ऑल सोल्स डे' (द्यद्य स्पह्लद्यह्य% ष्ठड्ड4) शहडोल में भी श्रद्धा, आस्था और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर ईसाई समुदाय के लोगों ने अपने दिवंगत परिजनों, सगे-संबंधियों एवं प्रियजनों को याद करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की।

इस अवसर पर शहडोल संभाग के ईसाई धर्मावलंबी जिले के दोनों ईसाई कब्रिस्तानों में एकत्रित हुए। सर्वप्रथम मध्यप्रदेश शासन द्वारा आवंटित नवीन कब्रिस्तान, जो बीज गोदाम के पास ग्राम झरियाटोला में स्थित है, वहां विशेष प्रार्थना की गई। इसी कब्रिस्तान में स्वर्गीय मीनाक्षी को दफनाया गया है। उनके लिए भी श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की गई। इसके पश्चात सभी लोग भुईबांध पुरानी बस्ती स्थित पुराने ईसाई कब्रिस्तान पहुंचे, जहां दिवंगत आत्माओं की शांति एवं उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई।

ऑल सोल्स डे ईसाई समुदाय के लिए एक विशेष आध्यात्मिक एवं भावनात्मक महत्व रखने वाला दिन है। इस दिन विश्वभर के ईसाईजन उन प्रियजनों को याद करते हैं, जो इस संसार से विदा होकर प्रभु यीशु मसीह के पास



चले गए हैं। परिजन कब्रिस्तान पहुंचकर अपने दिवंगत प्रियजनों की स्मृति में प्रार्थना करते हैं तथा उनके जीवन में किए गए अच्छे कार्यों, प्रेम, सेवा और योगदान को याद करते हैं।

इस दिन का संदेश केवल दिवंगत लोगों को याद करना ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को परिवार के बुजुर्गों एवं पूर्वजों के अच्छे संस्कारों, आदर्शों और सेवाभाव से परिचित कराना भी है। परिवार के सदस्य अपने बच्चों को बताते हैं कि उनके पूर्वजों ने समाज और परिवार के लिए किस प्रकार अपना योगदान दिया था। अपने प्रियजनों को याद रखना और उनके अच्छे कार्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना प्रत्येक परिवार का महत्वपूर्ण दायित्व है।

दोनों कब्रिस्तानों में आयोजित विशेष प्रार्थना में उन सभी परिवारों के सदस्य शामिल हुए, जिनके परिजनों का अंतिम संस्कार शहडोल के ईसाई कब्रिस्तानों में किया गया है। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, प्रेम, स्मृतियों और आध्यात्मिक विश्वास का वातावरण बना रहा।इस अवसर पर शहडोल कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष फादर ए. जगन राज एवं फादर स्टेनली, सचिव क्रिस्टी अब्राहम, सदस्य टेरेंस बास्टियन, सजी मैथ्यू, एरिक, हरमन, ऑस्कर, अजय, जॉर्ज पॉल, फ्रांसिस एन्थोनी, ईमानुएल फ्रांसिस, एल्विन पीटर, ब्रायन जेवियर अब्राहम, नेल्सन फर्नांडीज, एल्विस बास्टियन, विजय कुजूर सहित श्रीमती नैंसी अब्राहम, श्रीमती मोरीन, श्रीमती मेडोस्टा एवं श्रीमती पॉवलिन बास्टियन, सुनीता, जैकलिन उपस्थित रहीं।इसके साथ ही विभिन्न चर्चों के फादर, पास्टर, प्रचारक, सिस्टर (धर्मबहनें), समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने मिलकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और अपने प्रियजनों की स्मृतियं को नमन किया।इस प्रकार शहडोल में ऑल सोल्स डे श्रद्धा, विश्वास, पारिवारिक प्रेम और दिवंगत परिजनों के प्रति सम्मान के साथ मनाया गया।

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से पहले भारत को बड़ा झटका फिटनेस टेस्ट में फेल हुए पंत

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है. जिसका पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा. टेस्ट में ऋषभ पंत का प्रदर्शन शानदार रहा है, लेकिन अब उन्हें लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है.

भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले एक बड़ा झटका लगा है. बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुए पहले फिटनेस टेस्ट में पंत अपनी मैच फिटनेस साबित करने में नाकाम रहे हैं. हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम उन्हें अपनी फिटनेस साबित करने का एक और मौका देने जा रही है. ऋषभ पंत अक्टूबर की शुरुआत में खेले गए ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की समस्या से जूझ रहे थे.

इसके बाद वह 23 अक्टूबर से बेंगलुरु में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं. हालांकि राहत की बात यह है



कि उन्होंने नेट्स में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस दोबारा शुरू कर दी है. लेकिन पहले फिटनेस टेस्ट को वह पास करने में सफल नहीं हो सके. अब अगले दो दिनों के भीतर बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका एक और फिटनेस टेस्ट लेगी. अगर पंत इस टेस्ट को पास कर लेते हैं तभी उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए रवाना होने की हरी झंडी मिलेगी. लेकिन यहां फेल होने पर वह टीम से बाहर हो जाएंगे.

चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज और इंडिया-ए की टीम में इसी शर्त पर जगह दी थी कि वह अपनी फिटनेस टेस्ट क्लियर करेंगे. फिटनेस में देरी के चलते वह शुरुआती दो चार दिवसीय मैचों से बाहर हो गए थे, जहां ध्रुव जुरेल ने कप्तानी के साथ विकेटकीपिंग की कमान संभाली. अगर पंत आने वाला फिटनेस टेस्ट पास कर लेते हैं तो वह 7 नवंबर से लिंकन में न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ खेले जाने वाले %इंडिया-ए% के तीसरे चार दिवसीय मैच में हिस्सा लेंगे. 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले पंत के लिए यह मैच अपनी लय हासिल करने का सबसे बेहतरीन जरिया साबित होगा.

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 3-2 से जीतने के बाद जब हेड कोच गौतम गंभीर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऋषभ पंत की फिटनेस और उपलब्धता पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की मेडिकल रिपोर्ट को लेकर कोई अपडेट नहीं है. जैसे ही बीसीसीआई से कोई आधिकारिक जानकारी मिलेगी, वे मीडिया के साथ शेयर करेंगे.



बेलारूस की अलियोना फालेई ने चेन्नई ओपन 250 महिला टेनिस टूर्नामेंट में अभ्यास किया. बारिश के कारण मैच से पहले खिलाड़ियों को इंतजार करना पड़ा. राउंड ऑफ 32 के मुकाबले से पहले उन्होंने वार्मअप कर कोर्ट पर उतरने की तैयारी की.

न्यूजीलैंड दौरे पर वैभव का रोलरकोस्टर सफर

ओपनर हैं या मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज?

15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए न्यूजीलैंड दौरा किसी %रोलरकोस्टर% से कम नहीं रहा. कभी ओपनिंग से हटाकर नंबर-3 पर भेजा गया, तो कभी शानदार पारी खेलने के बाद भी प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़ा. पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्हें सिर्फ दो मुकाबलों में मौका मिला. टीम में जगह और बल्लेबाजी क्रम को लेकर इस खींचतान के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि वैभव इस दौरे से क्या सीखकर लौटे? नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए वैभव 8 गेंदों में सिर्फ 4 रन बना सके. लेकिन ओपनिंग में लौटे तो 19 गेंदों पर 45 रन ठोककर अपनी असली ताकत दिखा दी. इसके बावजूद उन्हें अगला मैच खेलने का मौका नहीं मिला. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की रफ्तार, तेज गेंदबाजों की चुनौती और नई बल्लेबाजी भूमिका से उनका सामना जरूर हुआ, लेकिन क्या इस अनुभव ने उनके खेल में



कुछ नया जोड़ा?

वैभव सूर्यवंशी के लिए न्यूजीलैंड का दौरा सिर्फ एक विदेशी सीरीज नहीं था. 15 साल की उम्र में सीनियर टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है. यहां उन्हें दुनिया के तेज गेंदबाजों का सामना करने, अलग-अलग परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने और टीम के भीतर जगह बनाने की चुनौती समझने का मौका मिला. लेकिन इस दौरे की कहानी में एक बड़ा सवाल भी छिपा है. वैभव टीम के साथ तो रहे, मगर ज्यादातर समय बेंच पर बीता. पांच मैचों की सीरीज में सिर्फ दो बार मैदान पर उतर पाए. पहले उन्हें उनकी पहचान से अलग नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया. वहां बल्ला नहीं चला. फिर ओपनिंग में लौटे तो अपने अंदाज में धमाका कर दिया. लेकिन एक अच्छी पारी के बाद भी उन्हें लगातार मौके नहीं मिले. ऐसे में न्यूजीलैंड दौरे से वैभव को अनुभव तो मिला, लेकिन मैच खेलने और अपनी गलतियों को सुधारने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाया. यही इस दौरे की सबसे बड़ी कहानी है.

वैभव की सबसे बड़ी ताकत पारी की शुरुआत में गेंदबाजों पर हमला करना है. पावरप्ले में फील्डिंग की पाबंदियों का फायदा उठाकर बड़े शॉट खेलना उनकी पहचान बन चुकी है. लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में उन्हें पहली बार नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया. यह उनके लिए नई भूमिका थी. इस पोजिशन पर उन्हें पारी की शुरुआत से ही आक्रामक होने की बजाय हालात को समझने और विकेट गिरने के बाद पारी को आगे बढ़ाने की चुनौती मिली. न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने भी उनकी परीक्षा ली. 143.5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई बाउंसर ने उन्हें मुश्किल में डाला. वैभव को एक जीवनदान भी मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके और 8 गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हो गए.

मैदान पर दोनों के बीच हुई तीखी बहस

राशिद-बर्ल की भिड़ंत, फिर फ्लाइंग किस

अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच टी20 सीरीज का तीसरा एवं आखिरी मुकाबला शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और टी20 सीरीज में जिम्बाब्वे का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया. इस मुकाबले में मैदान पर माहौल एक वक्त काफी गरमा गया. अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान और जिम्बाब्वे के बल्लेबाज रयान बर्ल के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली. दोनों खिलाड़ी पिच पर आमने-सामने आ गए और अंपायरों को बीच-बचाव करना पड़ा.यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 9वें ओवर में हुई. उस ओवर की दूसरी गेंद पर राशिद खान ने रयान बर्ल के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन अंपायर ने जिम्बाब्वे के बैटर को नॉट आउट करार दिया. सीरीज में डीआरएस उपलब्ध नहीं होने के कारण राशिद इस फैसले से नाराज नजर आए. ओवर की पांचवीं गेंद के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कहासुनी शुरू हो गई. मामला बढ़ता देख अंपायर अहमद शाह पकतीन ने दोनों को अलग किया. ओवर खत्म होने के बाद भी तनाव बना रहा, जिसके बाद दूसरे अंपायर फारूक खान को भी हस्तक्षेप करना पड़ा. दिलचस्प बात यह रही कि मैदान पर हुए इस तनाव का अंत बाद में हल्के-फुल्के अंदाज में हुआ. डगआउट में बैठे रयान बर्ल की ओर राशिद ने फ्लाइंग किस किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया.रयान में घातक गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में 13 रन देकर पांच विकेट लिए. यह उनके टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला पांच विकेट हॉल रहा. जवाब में अफगानिस्तान ने 80 रनों का लक्ष्य महज 49 गेंदों में हासिल कर लिया. टीम ने आसान दर्ज करते हुए सीरीज में जिम्बाब्वे का क्लीन स्वीप किया.

मनोरंजन

ओरी-सारा अली खान बचपन से थे दोस्त...

सैफ की बेटी से अब क्यों खफा हुए इन्फ्लुएंसर? बताई दोस्ती टूटने की वजह



ओरहान अवत्रामणि उर्फ ओरी का फिल्मी सितारों के साथ खूब उठना-बैठना है। अक्सर स्टारकिड्स के साथ वे पार्टी करते नजर आते हैं। काजोल की बेटी नीसा हों, बोनी कपूर की बेटी जान्हवी और खुशी हों या अन्य स्टारकिड्स...ओरी की सबके साथ खूब बनती है। एक वक्त था जब सारा अली खान के साथ भी ओरी की अच्छी दोस्ती थी। ये दोस्ती बचपन से थी। मगर, अब यह टूट चुकी है। जानिए क्यों?

ओरी ने हाल ही में अपनी और सारा की दोस्ती को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन से दोस्त रहे। साथ में कॉलेज में पढ़े। फिर, इसके बाद भी दोस्ती चलती रही। ओरी ने यह भी कहा कि सारा अली खान के हर अच्छे-बुरे वक्त में वे साथ रहे। जब वे मुश्किलों से गुजर रही थीं तो उन्होंने काफी सपोर्ट किया। मगर, उन्हें सारा से वैसा सपोर्ट नहीं मिला। ओरी का दावा है कि जब उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी तो सारा अली खान गायब हो गईं। उन्होंने कॉल तक नहीं किया।

ओरी ने दावा किया कि उन्होंने मुश्किल समय में सारा का साथ दिया था, लेकिन जब उन्हें उनकी जरूरत थी, तो उन्हें अकेला महसूस हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वह बिना माफी मांगे अपने रिश्ते को सुधारने के बारे में नहीं सोचेंगे।

ओरी ने डबल डेट पर नेहा धूपिया और अंगद बेदी से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने सारा की मां अभिनेत्री अमृता सिंह के साथ अपने बिगड़े रिश्ते पर भी बात की।

ओरी से जब पूछा गया कि उन्होंने सबसे ज्यादा किस मशहूर इंसान को ब्लॉक, अनफॉलो या म्यूट किया है? इस पर ओरी ने सारा और अमृता का नाम लिया। उन्होंने कहा कि वह और सारा बचपन से दोस्त थे। कॉलेज के दौरान भी करीब रहे। उनकी दोस्ती इसके बाद भी दस साल तक रही। ओरी ने दावा किया कि वह एक मुश्किल समय में सारा के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा, %हम बचपन के दोस्त थे। हम कॉलेज के दौरान और कॉलेज के बाद 10 साल तक दोस्त रहे। मैं हर मुश्किल समय में उसके साथ था। हम गोवा में थे जब सारा एक बहुत बड़े केस से गुजर रही थी। मैं पूरे समय उनके साथ था। मैंने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। ओरी ने आरोप लगाया कि अपने मुश्किल वक्त में उन्हें सारा से वैसा सपोर्ट नहीं मिला। ओरी बोले, मेरी जिंदगी में पहली बार, जब उन्हें मेरे साथ होना था, तो वह गायब हो गईं। इतने मुश्किल दौर में उन्होंने एक बार भी हालचाल जानने के लिए कॉल नहीं किया। ओरी ने यह भी दावा किया कि सारा अली खान की मां अमृता ने एक बार उन्हें डांटा था। उनके बारे में दूसरों से बात की थी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने परिवार के साथ उनके रिश्ते को और खराब कर दिया। आखिरकार उन्होंने उन्हें अनफॉलो कर दिया। ओरी ने कहा कि इस घटना भी सारा के दोस्त होने का नाटक करता हूं, तो इसका मतलब है कि उनकी मां ने मेरे साथ जो कुछ भी किया, उससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं। मैं अब उनके साथ दोस्त नहीं रह सकता।

रामायण की दस्तक से पहले जेलर 2 की कमाई गिरी? उड़ता तीर समेत बाकी फिल्मों का रहा ऐसा हाल

रजनीकांत अभिनीत जेलर 2, आयुष्मान खुराना की उड़ता तीर सिनेमाघरों में लगी हुई हैं। इनके अलावा कुछ अन्य फिल्में भी हैं। वीकएंड पर सभी के कलेक्शन में अच्छा खासा उछाल देखा गया था। मगर, कल सोमवार से सप्ताह की शुरुआत होने के बाद कलेक्शन में भी कमी दर्ज हुई है। जानिए कमाई के मामले में इनका हाल कैसा है?

रजनीकांत अभिनीत फिल्म 15 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रविवार को इसने 11.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन दर्ज किया था। मगर, कल सोमवार को कमाई में अच्छी-खासी गिरावट आई है। कल 19वें दिन इसका कलेक्शन 3.40 करोड़ रुपये रहा। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 459.71 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 812 करोड़ रुपये हो चुका है।



उड़ता तीर की कमाई में गिरावट

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान अभिनीत यह फिल्म 16 अक्तूबर को रिलीज हुई थी। इसकी शुरुआत धीमी हुई थी। मगर, इस स्पाई कॉमेडी फिल्म ने धीरे-धीरे बढ़त दर्ज की। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन औसत ही है। वीकएंड पर इसकी कमाई में उछाल आया था। रविवार को फिल्म का कलेक्शन 4.35 करोड़ रुपये रहा। वहीं, कल सोमवार को 11वें दिन कमाई 1.35 करोड़ रुपये हुई। इस फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 43.47 करोड़ रुपये हो गया है।

प्रहार और नई नवेली का खेल खत्म

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली की हालत खस्ता है। वहीं, राजकुमार राव की प्रहार का हाल भी अच्छा नहीं है। दोनों फिल्में अब टिकट खिड़की से विदा लेने की कगार पर हैं। रविवार को 40 लाख रुपये कमाने के बाद कल सोमवार को 18वें दिन नई नवेली ने सिर्फ 14 लाख रुपये कमाए। वहीं, प्रहार ने कल सोमवार को 18वें दिन 19 लाख कमाए। प्रहार का टोटल नेट कलेक्शन 23.44 करोड़ रुपये हो गया है। %नई नवेली% का कलेक्शन 26.89 करोड़ रुपये है।

सिनेमाघरों में टिकी है दृश्यम 3

अजय देवगन अभिनीत फिल्म %दृश्यम 3% महीनेभर बाद भी सिनेमाघरों में टिकी हुई है। हालांकि, कमाई अब लाखों में सिमट गई है। रविवार को 31वें दिन इस फिल्म ने 1.75 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, कल सोमवार यानी 32वें दिन कमाई 55 लाख रुपये रही। इस फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन अब 377.91 करोड़ रुपये हो चुका है।

शादी के एक प्रस्ताव से शुरू हुई थी खौफनाक कहानी, जेलर 2 अभिनेत्री शमना कासिम ने खोले ब्लैकमेलिंग के राज

सुपरस्टार रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर 2 में अपनी बेहतरीन अदाकारी से सुर्खियां बटोरने वाली पॉपुलर अभिनेत्री शमना कासिम ने अपनी निजी जिंदगी के एक सबसे भयानक और काले दौर को याद किया है। उन्होंने साल 2020 में उनके साथ घटी एक गंभीर घटना का खुलासा किया, जिसने उन्हें और उनके परिवार को अंदर से हिला कर रख दिया था। एक साधारण शादी के प्रस्ताव से शुरू हुआ यह मामला किस तरह एक बड़े मैट्रिमोनियल फ्रॉड और ब्लैकमेलिंग में बदल गया था, इस पर शमना ने कई बातें बताईं।



वानिता मैगजीन संग शमना कासिम ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने साल 2020 के उस मैट्रिमोनियल फ्रॉड केस की पूरी दास्तां सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे एक मामूली शादी का रिश्ता आने के बाद मामला धीरे-धीरे एक डरावने अनुभव में तब्दील होता चला गया। जांच में जो खुलासे हुए, उन पर यकीन करना बेहद मुश्किल था।

घटना के बारे में बताते हुए शमना ने कहा, ÷यह सब एक शादी के प्रपोजल से शुरू हुआ था। पूरा मामला ऐसा लगा जैसे कोई फिल्म देख रहे हों। इसमें बहुत सारे लोग शामिल थे, और वह सभी एक ही परिवार के थे। यहां तक कि केस की जांच करने वाले पुलिस अफसर भी हैरान थे, %क्या लोग इस तरह बात भी कर सकते हैं?% एक व्यक्ति पांच अलग-अलग आवाजों में बोल रहा था। एक पूरा परिवार मिलकर शादी के बहाने कई दूसरे परिवारों को इसी तरह धोखा दे रहा था।÷

शमना ने बताया कि इस गैंग का तरीका इतना शातिर था कि पुलिस अधिकारी भी उनके तौर-तरीके देखकर सोच में पड़ गए थे। लेकिन, समय रहते अभिनेत्री ने पुलिस को इस बात की सूचना दी, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इस गिरोह के 12 में से 8 कथित सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था। 30 जून 2020 को शमना ने सोशल मीडिया पर साफ किया था

सामंथा ने सीएम विजय को बताया अपना 'लकी चार्म', कहा- करियर के शिखर पर सिनेमा छोड़ना आसान फैसला नहीं

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु और सुपरस्टार विजय की जोड़ी ने पर्दे पर कई सफल फिल्में दी हैं। अब सामंथा ने विजय को अपना 'लकी चार्म' बताते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में सामंथा ने विजय के साथ अपने काम के अनुभव को याद किया और उनके अभिनय के साथ-साथ राजनीतिक सफर की भी तारीफ की।

शो के एक आगामी एपिसोड में आरजे विजय ने सामंथा से उनके पसंदीदा को-स्टार के बारे में पूछा। इस पर सामंथा ने कहा कि विजय के लिए उनकी पसंद किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने विजय को अपना 'लकी चार्म' बताते हुए कहा कि उन्होंने अभिनेता के साथ तीन सुपरहिट फिल्मों में काम किया है।सामंथा और विजय ने 'कथ्थी' (2014), 'थेरी' (2016) और 'मर्सल' (2017) में साथ काम किया था। इन तीनों फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया। शो में सामंथा ने इसी वजह से विजय को अपने लिए लकी बताया।

सामंथा ने विजय के राजनीतिक सफर की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विजय



एक व्यक्ति के तौर पर उनके लिए प्रेरणा हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, विजय के पास करोड़ों प्रशंसक थे और वह अपने करियर के शिखर पर थे, इसके बावजूद उन्होंने राजनीति और शासन की जिम्मेदारी चुनने का फैसला किया।

सामंथा ने कहा कि करियर के सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचकर सिनेमा से दूरी बनाकर राजनीति में जाना आसान निर्णय नहीं है। उन्होंने विजय की मेहनत और पर्दे के पीछे लगातार काम करने की क्षमता की भी तारीफ की।विजय ने 2024 में आधिकारिक तौर पर राजनीति में प्रवेश का ऐलान किया था और तमिलगा वेत्री कझगम नाम की पार्टी शुरू की।



हाईटेंशन लाइन से टकराई सड़क निर्माण मशीन, करंट से 8 मजदूरों की मौत, 5 झुलसे

झुंझुनूं. राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र के छापोली गांव में सड़क निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया. कदम कुंड मार्ग पर काम कर रही रोड़ी मिलाने वाली मशीन अचानक ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई. इससे मशीन में करंट फैल गया और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए.

हादसे में आठ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए. घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है. एक साथ आठ मजदूरों की मौत से क्षेत्र में शोक फैल गया. हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. उदयपुरवाटी एसएचओ रामपाल ने बताया कि बजरी मिलाने के काम में लगी मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई थी. इससे मशीन में करंट फैलने पर मजदूर उसकी चपेट में आ गए. हादसे के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हादसे पर दुख जताया. उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार और प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं. साथ ही घटना की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं. मुख्यमंत्री ने दिवंगत श्रमिकों को श्रद्धांजलि देते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की.

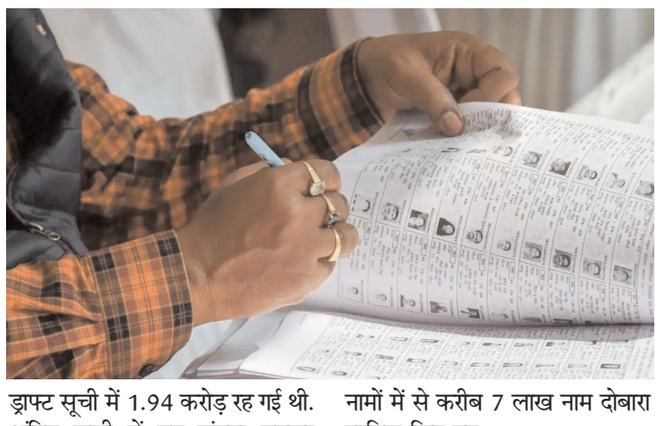
एसआईआर के बाद पांच राज्यों में 2.29 करोड़ मतदाता घटे, यूपी में सबसे ज्यादा 2.04 करोड़ नाम कम

नई दिल्ली. उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मतदाताओं की संख्या में करीब 2.29 करोड़ की कमी आई है. इन पांच राज्यों में पुनरीक्षण से पहले लगभग 18.71 करोड़ मतदाता थे, जबकि अंतिम मतदाता सूची में यह संख्या घटकर 16.43 करोड़ रह गई है. इस तरह कुल मतदाताओं में करीब 12.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है. इन पांचों राज्यों में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं.

चुनाव आयोग और राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मतदाताओं की संख्या में सबसे ज्यादा कमी उत्तर प्रदेश में आई है. पांचों राज्यों में हुई कुल गिरावट का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा अकेले यूपी का है. यहां स्ट्रक से पहले 15.44 करोड़ मतदाता थे. पुनरीक्षण के बाद जारी ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 12.56 करोड़ रह गई थी. दावे और आपत्तियों के निपटारे के बाद अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 13.40 करोड़ हो गई.

उत्तर प्रदेश में अंतिम मतदाता सूची के अनुसार करीब 2.04 करोड़ मतदाता कम हुए हैं. यह पुनरीक्षण से पहले दर्ज कुल मतदाताओं का लगभग 13.24 प्रतिशत है. ड्राफ्ट सूची से करीब 2.89 करोड़ नाम हटाए गए थे, जिनमें से लगभग 84 लाख नाम दोबारा जोड़ दिए गए.

पंजाब में स्ट्रकके बाद मतदाताओं की संख्या 2.15 करोड़ से घटकर



ड्राफ्ट सूची में 1.94 करोड़ रह गई थी. अंतिम सूची में यह संख्या बढ़कर 2.01 करोड़ हो गई. इसके बावजूद राज्य में करीब 14 लाख यानी 6.34 प्रतिशत मतदाता कम हुए हैं. ड्राफ्ट सूची से हटाए गए लगभग 21 लाख नामों में से करीब 7 लाख नाम दोबारा शामिल किए गए.

उत्तराखंड में पुनरीक्षण से पहले करीब 80 लाख मतदाता थे. ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 71 लाख रह गई, जबकि अंतिम सूची में बढ़कर 72 लाख हो गई. इस तरह राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या में करीब 8 लाख यानी 10.07 प्रतिशत की कमी आई. हटाए गए नामों में से लगभग 25 हजार नाम ही दोबारा जोड़े जा सके.

मणिपुर में स्ट्रक से पहले करीब 20.9 लाख मतदाता थे. ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 19.3 लाख रह गई और अंतिम सूची में बढ़कर 19.6 लाख हो गई. इस तरह राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब 6.33 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई. ड्राफ्ट सूची से हटाए गए नामों में से करीब 17 प्रतिशत दोबारा जोड़े गए.

गोवा में स्ट्रक से पहले 11.85 लाख मतदाता दर्ज थे. ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 10.85 लाख रह गई, जबकि अंतिम सूची में और कम होकर 10.58 लाख पर पहुंच गई. इस तरह राज्य में करीब 1.27 लाख यानी 10.76 प्रतिशत मतदाता कम हुए. पांचों राज्यों में गोवा एकमात्र ऐसा राज्य रहा, जहां अंतिम मतदाता सूची में ड्राफ्ट सूची के मुकाबले भी नामों की संख्या घट गई.

चुनाव आयोग ने हाल ही में देश के 17 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश दिया था. आयोग के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना और पात्र मतदाताओं को उसमें शामिल होने का अवसर देना है. इसके तहत उन युवाओं को भी मतदाता के रूप में पंजीकरण का मौका मिलेगा, जो निर्धारित अर्हता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे.

कोरबा में दिसंबर से शुरू होगी 40 इलेक्ट्रिक बसों की सेवा, सतरेंगा-मड़वारानी समेत पर्यटन स्थलों तक मिलेगी कनेक्टिविटी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई रफ्तार मिलने वाली है। नगर निगम दिसंबर से 40 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इन बसों के चलने से शहर के साथ-साथ उपनगरीय क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों और प्रमुख पर्यटन स्थलों तक आवागमन आसान होगा। खास बात यह है कि सतरेंगा से जुड़े करीब 20 गांवों के लोगों को भी इस सेवा का सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने कोरबा के लिए कुल 40 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दी है। इनमें 20 बड़ी बसें और 20 मिनी बसें शामिल हैं। नगर निगम ने इनके संचालन के लिए रूट प्लान तैयार कर लिया है। योजना के मुताबिक, बसें प्रतिदिन शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में लगभग 400 किलोमीटर तक चलेंगी। एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर एक बस करीब 200 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेगी।

नई बस सेवा में पर्यटन स्थलों को भी प्राथमिकता दी गई है। सतरेंगा, मड़वारानी और कोसगाई जैसे प्रमुख स्थानों तक



सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे पर्यटकों के अलावा आसपास के ग्रामीणों को भी फायदा मिलेगा।

सतरेंगा क्षेत्र के करीब 20 गांवों के लोगों को शहर आने-जाने के लिए बेहतर परिवहन विकल्प मिलेगा। शिक्षा, इलाज और रोजगार के सिलसिले में कोरबा पहुंचने वाले ग्रामीणों की परेशानी कम होने की उम्मीद है। पर्यटन गतिविधियां बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार और कारोबार को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

छोटी बसों को शहर की संकरी सड़कों और रिहायशी कॉलोनियों के हिसाब से तैयार रूट पर चलाया जाएगा। रविशंकर शुक्ल नगर, आरपी नगर, एमपी नगर और टीपी नगर जैसे इलाकों को इससे जोड़ा जाएगा। इसके अलावा बांकीमोंगरा, दीपका, बालको और हरदीबाजार तक भी बस सेवा पहुंचाने की योजना है।

प्रतीक्षा बस स्टेशन, पुराना बस स्टैंड और नया बस स्टैंड प्रमुख संचालन केंद्र होंगे। रूट निर्धारण में पीएम स्कूल, पीजी कॉलेज, कमला नेहरू महाविद्यालय, मिनीमाता महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और रेलवे स्टेशन को भी शामिल किया गया है। इससे विद्यार्थियों, मरीजों और आम यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

ई-बसों के संचालन के लिए दर्री स्थित प्रतीक्षा बस स्टैंड में लगभग 1.54 करोड़ रुपये की लागत से चार्जिंग सब स्टेशन बनाया जा रहा है। इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। बसों की मरम्मत और देखरेख के लिए वर्कशॉप के साथ प्रशासनिक भवन भी तैयार किया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से डीजल की खपत और प्रदूषण में कमी आने की उम्मीद है।

एयर फोर्स की 40 एकड जमीन को लेकर केंद्र पर बरसी कांग्रेस, जयराम रमेश बोले- यह पूरी वायु सेना का अपमान

दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के पास रेस कोर्स स्थित एयर फोर्स स्टेशन के भीतर मौजूद एयर फोर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को वापस लेने की केंद्र सरकार की कवायद पर सियासी विवाद खडा हो गया है। कांग्रेस पार्टी ने 40 एकड़ में फैले इस कॉम्प्लेक्स को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है और इस कदम को शर्मनाक करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार का यह रुख भारतीय वायु सेना का अनादर है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार के इस कदम पर कड़ा प्रहार किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि एयर फोर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का एक लंबा इतिहास रहा है। दशकों से यह न केवल विभिन्न सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए काम आता रहा है, बल्कि भारतीय वायु सेना के सामाजिक ढांचे का एक अभिन्न हिस्सा भी रहा है। जयराम रमेश ने मोदी सरकार की इस कार्रवाई को बेहद



शर्मनाक बताया और कहा कि यह पूरे वायु सेना परिवार के प्रति घोर अनादर है।

हिंदुस्तान टाइम्स की एक विशेष रिपोर्ट के अनुसार, तत्कालीन वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने 31 अक्टूबर को अपनी सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले 26 अक्टूबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक गोपनीय पत्र भेजा था। इस पत्र में उन्होंने आग्रह किया था कि रेस कोर्स एयर फोर्स स्टेशन के भीतर स्थित इस महत्वपूर्ण जमीन पर वायु सेना का ही नियंत्रण बना रहना चाहिए।पूर्व एयर फोर्स चीफ ने कहा था कि एयर फोर्स स्टेशन के बड़े ऑपरेशनल रोल और साइट पर मौजूद सुविधाओं को देखते हुए कॉम्प्लेक्स को एयर फोर्स के अधिकार क्षेत्र में रखना एक प्रैक्टिकल और समझदारी भरा फैसला होगा। यह पत्र मुख्य रूप से स्टेशन परिसर में स्थित भूमि के हस्तांतरण और नियमितीकरण से संबंधित था, जो आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है।यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स लगभग 40 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। रेस कोर्स एयर फोर्स स्टेशन के अंदर स्थित इस कॉम्प्लेक्स में 9-होल गोल्फ मैदान और रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। रिपोर्टों के अनुसार, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने इस जमीन को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस विवाद के बीच पिछले महीने इस परिसर को इसके सदस्यों के लिए बंद कर दिया गया था।

बिजनेस

धनतेरस से पहले सर्राफा बाजार नरम सोना-चांदी ?4,400 से ज्यादा टूटे; क्या यही है खरीदारी का सही मौका?

दिवाली और धनतेरस के पावन त्योहार से ठीक पहले कीमती धातुओं की कीमतों में बड़ी गिरावट दिख रही है। त्योहारी सीजन की खरीदारी की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए राहत की खबर यह है कि सर्राफा और कमोडिटी बाजार खुलते ही सोने और चांदी के दामों में तेज गिरावट दर्ज की गई है।

बाजार खुलने के महज एक घंटे के भीतर कीमतें 4,400 रुपये से ज्यादा तक नीचे आ गईं। ऐसे में जो निवेशक और खरीदार पिछले कुछ समय से भाव कम होने की उम्मीद लगाए बैठे थे, उनके लिए इसे खरीदारी का एक बड़ा अवसर माना जा रहा है।

मंगलवार की सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कारोबार की शुरुआत भारी बिकवाली के साथ हुई। सुबह 10 बजे के करीब एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,386 रुपये टूटकर 1,38,875 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वहीं, चांदी के वायदा भाव में इससे भी ज्यादा तीखा झटका देखा गया। दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 4,429 रुपये टूटकर 1,79,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

कमोडिटी विशेषज्ञों और बाजार विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक और घरेलू स्तर पर कई ऐसे कारक रहे जिन्होंने कीमती धातुओं पर दबाव बनाया है-

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल- अमेरिका में 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 5 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। चूंकि बॉन्ड में रिटर्न मिलता है और सोने-चांदी से कोई नियमित ब्याज नहीं मिलता, इसलिए निवेशकों ने अपना पैसा धातुओं से निकालकर बॉन्ड में शिफ्ट किया है।ऊंची ब्याज दरों का दबाव- अमेरिका में महंगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतें और मध्य-पूर्व (ईरान) तनाव के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व लंबे समय तक ब्याज दरें ऊंची रख सकता है, जिसका असर सराफा बाजार पर पड़ रहा है।



महंगा और मजबूत डॉलर- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से अन्य देशों के खरीदारों के लिए डॉलर-मूल्य वाला सोना महंगा हो जाता है, जिससे वैश्विक मांग सुस्त हुई है।शेयर बाजार में बिकवाली का असर- इक्विटी बाजारों, विशेष रूप से टेक और एआई कंपनियों के शेयरों में हुए नुकसान की भरपाई और लिक्विडिटी (नकदी) जुटाने के लिए निवेशकों ने सोने-चांदी में मुनाफावसूली की।

रिकॉर्ड तेजी के बाद प्रॉफिट बुकिंग- इस साल जनवरी में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 5,595 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया था, जिसके बाद बड़े फंड और निवेशक लगातार मुनाफा निकाल रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले एक हफ्ते के दौरान सोने की कीमतों में करीब 3 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, जिससे यह लगभग एक साल के निचले स्तर के पास पहुंच गया है।

दिवाली से पहले फिर चमका सोना- त्योहारों की मांग से कीमतों में दर्ज हुई रिकवरी; जानें क्या हैं आज के ताजा भाव?

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी एंड करेंसी रिसर्च एनालिस्ट (वाइस प्रेसिडेंट) जतिन त्रिवेदी के अनुसार, ÷घरेलू बाजार में सोना करीब 1,38,300 रुपये और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कॉमेक्स गोल्ड करीब 3,900 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है÷। जब तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति और ब्याज दर कटौती को लेकर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं होती, तब तक कीमती धातुओं में अस्थिरता और उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहने की संभावना है।

बाजार के जानकारों का मानना है कि आने वाले कुछ दिनों में घरेलू बाजार में सोने का भाव 1,36,500 रुपये से 1,41,000 रुपये के दायरे में सीमित रह सकता है। यद्यपि अमेरिका की सख्त मौद्रिक नीति के चलते अल्पकालिक तेजी की संभावना थोड़ी कम नजर आ रही है, लेकिन धनतेरस और दिवाली की खरीदारी के लिए यह गिरावट ग्राहकों के लिए बेहतरीन मौका साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि के नजरिए से सोने की पोर्टफोलियो में उपयोगिता और सुरक्षात्मक अहमियत आज भी पूरी तरह बरकरार है।

कारोबार और निवेश से कमाई कर रहे युवा पाई-पाई का दे रहे हिसाब, आईटीआर फॉर्म भरने वालों की हिस्सेदारी 57 प्रति. पार

नई दिल्ली। युवाओं में नौकरी के अलावा ट्रेडिंग, निवेश और कारोबार से कमाई का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। कमाई के स्रोतों में विविधता के साथ दाखिल किए गए आयकर रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म के स्वरूप में भी बदलाव देखने को मिल रहा है।

टैक्स फाइलिंग मंच क्लियरटैक्स की सालाना रिपोर्टहाउ इंडिया फाइल्ड इन 2026 में दावा किया गया है कि आकलन वर्ष 2026-27 में अन्य साधनों से कमाई करने वाले 25 साल से कम उम्र के 75 फीसदी युवाओं ने आईटीआर-1 के बजाय अन्य जटिल रिटर्न फॉर्म भरे। एक साल पहले ऐसे युवाओं का हिस्सा 60 फीसदी था यानी इस श्रेणी में सबसे तेज 15 फीसदी अंक की बढ़ोतरी हुई है। ये युवा अपना आईटीआर खुद दाखिल करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव को आईटीआर-3 और आईटीआर-1 फॉर्म के आंकड़ों से समझा जा सकता है। 25 साल से कम उम्र के खुद रिटर्न दाखिल करने वाले युवाओं में आईटीआर-3 फॉर्म की



हिस्सेदारी आकलन वर्ष 2026-27 में बढ़कर 44 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई, जो आकलन वर्ष 2025-26 में 28 फीसदी थी। इस अवधि के दौरान आईटीआर-1 फॉर्म की हिस्सेदारी 41 फीसदी से घटकर 25 फीसदी रह गई।

आय के विविध स्रोतों में निवेश से होने वाला पूंजीगत लाभ सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक है। क्लियरटैक्स के आंकड़ों के मुताबिक, आकलन वर्ष 2026-27 में खुद रिटर्न भरने वाले 41.7 फीसदी करदाताओं ने पूंजीगत लाभ की जानकारी दी। आकलन वर्ष 2025-26 में यह अनुपात 34.4 फीसदी और 2024-25 में यह सिर्फ 25.5 फीसदी था। इस तरह, एक साल में पूंजीगत लाभ बताने वाले ऐसे करदाता 7.3 फीसदी बढ़े हैं।

आमतौर पर माना जाता है कि रिटायरमेंट के बाद निवेश और वित्तीय गतिविधियां कम हो जाती हैं। लेकिन, क्लियरटैक्स के मुताबिक, आकलन वर्ष 2026-27 में 60 साल से अधिक उम्र के करीब 40त्न करदाताओं ने पूंजीगत लाभ की जानकारी दी। इसके मुकाबले 40 से 50 साल की उम्र वाले करदाताओं में यह अनुपात 35त्न था। आकलन वर्ष 2024-25 में आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म भरने वाले करदाताओं की संयुक्त हिस्सेदारी 36.2 फीसदी थी, जो 2025-26 में बढ़कर 48.1 फीसदी और 2026-27 में 57.2 फीसदी हो गई। वहीं, आईटीआर-3 फॉर्म भरने वालों की हिस्सेदारी भी एक साल में 20.6 फीसदी से बढ़कर 28.4 फीसदी पहुंच गई। यह दर्शाता है कि अब अधिक संख्या में करदाताओं की आय में कारोबार, पेशे और निवेश जैसे स्रोत शामिल हो रहे हैं।

हालांकि, सिर्फ रिटर्न फॉर्म बदलने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि हर व्यक्ति ने अपनी नौकरी छोड़कर कारोबार शुरू कर दिया है। कोई वेतनभोगी व्यक्ति नौकरी जारी रखते हुए शेयर बाजार से पूंजीगत लाभ कमा सकता है या किसी अन्य साधन से आय प्राप्त कर सकता है।

महिलाओं की भी निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आकलन वर्ष 2026-27 में 30.5 महिला करदाताओं ने पूंजीगत लाभ की जानकारी दी, जबकि एक साल पहले यह हिस्सेदारी 26.1 थी। आईटीआर-2 फॉर्म दाखिल करने वालों की हिस्सेदारी भी आकलन वर्ष 2025-26 के 23.3 से बढ़कर 2026-27 में 26.8त्न पहुंच गई।

त्योहारों पर शॉपिंग का डबल धमाका- क्रेडिट कार्ड से खरीदारी पर 30 हजार तक की छूट, सात बैंक दे रहे ऑफर्स

दीपावली के त्योहारी सीजन में देश के प्रमुख बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को ऑनलाइन शॉपिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ों, फ्लाइट और होटल बुकिंग पर आकर्षक छूट, कैशबैक और इंस्टेंट डिस्काउंट दे रहे हैं। एचडीएफसी, एसबीआई, आईसीआईसीआई, एक्सिस, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा बैंक 10 से 20 फीसदी तक की छूट दे रहे हैं।

दीपावली के नजदीक आते-आते बाजारों में रौनक अपने चरम पर पहुंच गई है। अगर आप भी इस त्योहारी सीजन में नया फोन, लैपटॉप, कपड़े या फिर परिवार के साथ घूमने के लिए टिकट बुक करने की योजना बना रहे हैं, तो जरा ठहरिए। आपका एक सही फैसला आपकी जेब पर पड़ने वाले बोझ को काफी हद तक कम कर सकता है। देश के तमाम बड़े बैंक इस बार अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों पर मेहरबान हैं और शॉपिंग से लेकर होटल बुकिंग तक पर हजारों रुपये की छूट और कैशबैक दे रहे हैं।

कोई 10 से 20 फीसदी तक



की छूट दे रहा है, तो कहीं ईएमआई पर हजारों रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट और कैशबैक दिया जा रहा है। क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को ऑनलाइन शॉपिंग, होटल बुकिंग, फ्लाइट टिकट और इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीदारी पर छूट की पेशकश की जा रही है। हालांकि, ज्यादातर ऑफर के साथ न्यूनतम खरीदारी और ईएमआई की शर्तें जुड़ी हैं।

रखें ध्यान:?खरीदारी से पहले ग्राहक ऑफर्स की वैधता, न्यूनतम खरीदारी, अधिकतम छूट और ईएमआई की शर्तों पर ध्यान दें। क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने से पहले संबंधित बैंक की शर्तें जरूर जांच लें।

बैंक के फेस्टिव ट्रीट्स ऑफर के तहत अगर आप स्मार्टबाय के जरिये फ्लिपकार्ट के गिफ्ट वाउचर खरीदते हैं, तो आपको 5 फीसदी और क्रोमा के वाउचर पर 2 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल पर ईएमआई के जरिये खरीदारी करने पर 7.5 फीसदी (अधिकतम 3,000 रुपये) और विजय सेल्स पर 15,000 रुपये तक का इंस्टेंट डिस्काउंट दिया जा रहा है, जो 30 नवंबर 2026 तक वैध है।

एसबीआई कार्ड के फेस्टिव ऑफर के तहत एपल उत्पादों की खरीद पर ईएमआई के साथ 15,000 रुपये तक का इंस्टेंट डिस्काउंट (26 दिसंबर तक) मिल रहा है। एअर इंडिया की बुकिंग पर 10,000 रुपये तक की छूट और एचपी उत्पादों पर 10 फीसदी (अधिकतम 18,000 रुपये) तक की बचत का फायदा उठाया जा सकता है। इसके अलावा बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स और आदित्य विजन पर भी हजारों रुपये की सीधी छूट उपलब्ध है।

आईसीआईसीआई बैंक के फेस्टिव बोनांजा के तहत फ्लिपकार्ट सेल में 10त्न?की छूट और एपल प्रोडक्ट्स पर 15,000 रुपये तक का इंस्टेंट कैशबैक मिल रहा है। टाटा क्लिक और एजियो पर 12त्न तक की छूट के अलावा फर्नीचर और होम डेकोर पर 30त्न?तक का बंपर डिस्काउंट दिया जा रहा है।

एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से मेकमायट्रिप पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट और होटल बुक करने पर 20त्न?(अधिकतम 20,000 रुपये) की छूट मिल रही है। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक के कार्ड से घरेलू फ्लाइट टिकट बुक करने पर 12 फीसदी और मेकमायट्रिप व गोआईबीबो पर होटल बुकिंग पर 15 फीसदी की इंस्टेंट छूट दी जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एव मुद्रक श्रीमती ज्योति मिश्रा द्वारा काम्पेक प्रिंटर्स प्रा.लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45 ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-आशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं-0731-4202569 फैक्स नं-0731-4202569